वैशाख शुक्ल पक्ष-7, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 328 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
14 मई 2024 मंगलवार

आज का मौसम
40 अधिकतम
27 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

नौ सीटों पर कड़ी टक्कर के बावजूद मप्र में इस वोटिंग पैटर्न के क्या अर्थ?

मध्यप्रदेश में सभी 29 लोकसभा सीटों पर मतदान संपन्न हो जाने के बाद एक बात तो साफ हो गई कि सूबे में कांग्रेस ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी है। ये सीटें हैं मुरैना, ग्वालियर, सतना, मंडला, छिंदवाड़ा, होशंगाबाद, राजगढ़, धार और रतलाम-झाबुआ। मतदान संपन्न होकर भोपाल पहुंच रहा फीड बैक तो कम से कम यही इशारा कर रहा है। भाजपा के सभी 29 सीटें जीतने के दावों के बीच इन सीटों पर उसकी कड़ी परीक्षा होने वाली है। यदि इसके कारणों में जाने की कोशिश की जाए तो इसकी बहुतेरी वजह सामने आ रही है। प्रत्याशी चयन से लेकर मतदान के प्रतिशत के बीच नरेंद्र मोदी और अमित शाह मैजिक के साथ प्रदेश के भाजपाई दिग्गजों की कड़ी मेहनत भी कसौटी पर होगी। फिर चाहे वह भाजपा के मुख्यमंत्री मोहन यादव हों या प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा हों। कैलाश विजयवर्गीय हों या नरेंद्र सिंह तोमर। नरोत्तम मिसरा के कांग्रेस में बड़ी टूट फूट कराने वाले प्रयासों के नतीजों की परीक्षा होगी तो शिवराज सिंह चौहान के इम्पेक्ट का आकलन भी होगा। सतना में बतौर सांसद गणेश सिंह कांग्रेस के सिद्धार्थ कुशवाह को कितनी चुनौती दे पाए। दूसरी तरफ कांग्रेस की बात की जाए तो कमलनाथ तो अपने पुत्र का चुनाव कराने के बाद एकाध सभा करके चलते बने। लेकिन राजगढ़ के अपने गृह क्षेत्र में दिग्विजय सिंह भाजपा के रोडमल नागर को कितनी चुनौती दे सके और बाद में जिन इलाकों का दौरा किया वहां के नतीजे कितने माकूल रहे। राहुल गांधी की टीम के सदस्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य बनाए गए कमलेश्वर पटैल या फिर मंडला में ओंकार सिंह मरकाम कितना असर छोड़ सके। ग्वालियर में कांग्रेस के युवा तुर्क प्रवीण पाठक कितना असर छोड़ पाए या दिमनी में पूर्व भाजपा विधायक रहे नीटू सिकरवार के क्या हाल रहे। अब बात करें चरण दर चरण मतदान के प्रतिशत की तो सियासी फलक पर निराशा के भाव झलकते देखे ा सकते हैं। निर्वाचन आयोग के प्रयासों और भाजपा और कांग्रेस नेताओं की लगातार से चुनाव दर -चुनाव बढ़ते मतदान के प्रतिशत पर ब्रेक लगने के क्या कारण रहे? आमतौर पर मतदान के प्रतिशत में कमी को राजनीतिक प्रेक्षक सत्ता के पक्ष में सकारात्मक नजरिए से देखते आए हैं। लेकिन बीते तीन लोकसभा चुनावों में मतदान के घटते की क्या वजह रही? क्या इसे तेज गर्मी वाले मौसम की मार कहा जाए। या फिर विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की करारी हार और उसके बाद मची भगदड़ से मतदाताओं ने वोटिंग के प्रति घटती रूचि को माना जाए? या फिर कांग्रेसियों की भाजपा में थोकबंद बढ़ती तादाद से मूलत- भाजपाईयों में मायूसी के कारण ऐसा हुआ। मात्र तीसरे चरण को छोड़ दें जिसमें 0.11 फीसदी की बेहद मामूली वृद्धि को छोड़ दे बाकी तीनों चरणों में 3.93 फीसदी से लेकर 9 फीसदी तक कमी देखी गई। इंदौर और खजुराहो सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी की गैरमौजूदगी के चलते मतदान के प्रतिशत में कमी लाजमी मानी जाए लेकिन बाकी जगह का क्या? इसके मोदी मैजिक में कमी समझी जाए या फिर राहुल गांधी लोगों के मन में अपना पक्ष नहीं उतार सके। मतदान के बाद भाजपा और कांग्रेस के दावों प्रतिदावों कीचार जून को ही असली परीक्षा होगी, चुनावी नतीजे घोषित होंगे।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

एनडीए के कई नेता रहे मौजूद, दावा-कांग्रेस को उप्र में मिलेगा जीरो

मोदी फिर मैदान में, बनारस में गंगा पूजन और नामांकन

वाराणसी, एजेंसी।

लोकसभा चुनाव के चलते आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार उप्र के वाराणसी सीट से अपना नामांकन दाखिल कर दिया। उनके साथ भाजपा और एनडीए गठबंधन के कई नेता मौजूद रहे। इससे पहले वे बनारस के दशाश्वमेध घाट पर गए तथा काल भैरव मंदिर के दर्शन किये। मोदी के चार प्रस्तावकों की भी चर्चा है। इनमें से एक पंडित गणेश्वर शास्त्री हैं, जिन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त निकाला था, वे ब्राह्मण समाज से हैं। इसी तरह बैजनाथ पटेल ओबीसी समाज से हैं। तीसरे लालचंद कुशवाहा भी ओबीसी बिरादरी से हैं इनके अलावा एक प्रस्तावक संजय सोनकर दलित समाज से हैं। नामांकन प्रक्रिया के बाद पीएम मोदी ने रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। यहां से वे चुनावी दौरे पर झारखंड रवाना हो गये हैं।

मोदी के नामांकन दाखिल करने के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा जयंत चौधरी, एलजेपी प्रमुख चिराग पासवान, अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया और ओमप्रकाश राजभर व आंध्र के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू भी शामिल हुए। हालांकि बिहार के सीएम नीतीश कुमार इसमें शामिल नहीं हुए,बताया गया कि वे अस्वस्थ हो गये हैं।

'गंगा ने मुझे गोद लिया है'

नामांकन दाखिले के पहले मोदी ने अपनी मां को याद किया। जिनका निधन बीती दिसंबर में हुआ है। उन्होंने एक चैनल से कहा कि मेरी मां के निधन के बाद गंगा ही मेरी मां है। मां गंगा ने मुझे गोद लिया है। उन्होंने कहा कि 400 पार देश की भावना है। पीएम मोदी ने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिलने का दावा किया।

सीएम यादव उप्र में प्रचार मिशन पर, दिल्ली में शिवराज

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव आज उप्र और दिल्ली में चुनावी सभाएं करेंगे। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी दिल्ली में चुनावी प्रचार में जुटेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर में भोपाल से खजुराहो होते हुए उप्र की हमीरपुर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल के समर्थन में महोबा की चरखारी में सभा लेंगे। बोधित करेंगे। यहां से शाम को दिल्ली पहुंचेंगे व रात्रि विश्राम दिल्ली में ही करेंगे। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान बंगाल के बाद आज दिल्ली में नार्थ ईस्ट दिल्ली और नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार करेंगे।वे मनोज तिवारी के समर्थन में शाम पांच बजे महिला सम्मेलन और सात बजे दलित सम्मेलन को संबोधित करेंगे। रात नौ बजे वे नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज के पक्ष में सभा को संबोधित करेंगे।

पाक में महंगाई के खिलाफ लांग मार्च, पीओके में भारी असंतोष

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बढ़ती महंगाई पर जनता में गुस्सा सातवें आसमान पर है। वहां हिंसक प्रदर्शन से पाकिस्तान सरकार घुटनों पर आ गई है। शहबाज शरीफ सरकार ने पीओके को तत्काल प्रभाव से 23 अरब रुपये का बजट मंजूर किया है। स्थानीय सरकार ने भी बिजली दरों और ब्रेड के दामों में कटौती का ऐलान किया है। फिलहाल, पीओके में स्थिति तनावपूर्ण है। शुक्रवार से ही इस क्षेत्र में विरोध-प्रदर्शन देखे जा रहे हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। 100 से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं। दरअसल, चीजों के दाम बढ़ने और टैक्स में बढ़ोतरी के खिलाफ पीओके में सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारियों और वकीलों द्वारा गठित संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी ने राजधानी मुजफ्फराबाद तक मार्च करने का आह्वान किया है। कल भी लाखों प्रदर्शनकारियों न मुजफ्फराबाद की ओर लॉन्ग मार्च जारी रखा। पुलिस ने इस मार्च को रोकने के लिए बल प्रयोग किया।

राहुल गांधी से बहस के लिए अभिनव को भेजेगी भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी।

भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ सार्वजनिक बहस के लिए अपने युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश को नामित किया है। मोर्चा अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने राहुल गांधी को संबोधित एक पत्र में लिखा कि 'राजनीतिक परिवार के वंशज और एक आम युवा के बीच यह एक समृद्ध बहस होगी।' ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट के दो पूर्व जजों जस्टिस मदन बी लोकुर और जस्टिस एपी शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर लोकसभा चुनाव के मुद्दों पर आमने-सामने सार्वजनिक बहस करने का न्योता दिया था। इस पर वरिष्ठ पत्रकार एन. राम के हस्ताक्षर थे। राहुल ने बहस के लिए पीएम मोदी का आमंत्रित किया था।

चुनावकर्मियों को छोड़ने जा रही बस की ट्रक से भिड़ंत

होमगार्ड जवान की मौत दो गंभीर

मंदसौर, एजेंसी।

चुनाव सामग्री जमा करने बाद मतदानकर्मियों को छोड़ने जा रही बस आज मंदसौर सुवासरा रोड पर सुवासरा में राठौर कालोनी के पास खड़े ट्रक से जा घुसी। हादसे में होमगार्ड जवान की मौत हो गई। वहीं 9 कर्मचारी व बस ट्रक स्टाफ घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार कल लोकसभा चुनाव के तहत मतदान के बाद देर रात तक मतदान सामग्री जमा करवाने के लिए मतदान दल मंदसौर पहुंचते रहे। मतदान सामग्री जमा कराने के बाद आज मंगलवार सुबह निर्वाचन में लगे कर्मचारी अपने अपने कार्य स्थलों पर लौट रहे थे इस दौरान सोमवार सुबह लगभग सात बजे बस सुवासरा में राठौर कॉलोनी के पास सड़क पर खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी। ट्रक का टायर फटने से वहां खड़ा था। हादसे में होमगार्ड जवान 34 वर्षीय मनोहर सिंह की मौत हो गई। हादसे में 7 कर्मचारी घायल हुए हैं व ट्रक चालक के पैर में गंभीर चोट लगी है। दो गंभीर घायल को सुवासरा प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही सुवासरा के शिक्षक भी चिकित्सालय पहुंचे और सहयोग किया। बस चालक टक्कर के बाद मौके से फरार हो गया।

गुवाहाटी स्टेशन पर अल-कायदा से जुड़े बांग्लादेशी गिरफ्तार

गुवाहाटी, एजेंसी।

असम पुलिस ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया। दोनों एक आतंकवादी संगठन अल कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट से संबंध रखते हैं। इन दोनों की पहचान अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के 30 वर्षीय बहार मिया और 40 वर्षीय रेयरली मिया के तौर पर की गई है। दोनों आरोपी बांग्लादेश के रहने वाले हैं और भारत में बिना पासपोर्ट के अवैध तरीके से रह रहे थे। असम में आतंकी नेटवर्क फैलाने के लिए भारतीय दस्तावेज हासिल कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि वे युवाओं को आतंकी संगठन में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहे थे। उनके पास से आधार और पैन कार्ड समेत अन्य दस्तावेज बरामद किए गए।

रामायण व पंचतंत्र मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रीजनल रजिस्टर में दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्राचीन रामचरितमानस की पांडुलिपियां, 15वीं सदी की पंचतंत्र दंतकथाओं समेत एशिया-प्रशांत की 20 धरोहरों को 2024 के लिए यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रीजनल रजिस्टर में दर्ज किया गया है। यह निर्णय एशिया और प्रशांत के लिए विश्व समिति की स्मृति (एमओडब्ल्यूसीएपी) की 10वीं आम बैठक में लिया गया। बैठक मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में बुलाई गई थी। बताया जाता है कि इस वर्ष रिकॉर्ड में वंशावली रिकॉर्ड को विशेष रूप से शामिल किया गया है। इनमें मंगोलिया के खलखा मंगोलों का परिवार एवं उनकी वंशावली, चंगेज खान का घर शामिल है।

मेट्रो एंकर मप्र में कई मंत्री व दिग्गज भी नहीं रोक सके अपने क्षेत्रों में मतों की गिरावट

मत गिरावट का बम कई सीटों पर फूटा, झुलसेगा कौन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मतदान का दौर पूरा होजाने के बाद इन दिनों इंदौर में पड़े मतों को लेकर उत्कंठा का दौर सियासी हलकों में सबसे ज्यादा है। कांग्रेस से नामांकन करके वापस लेने वाले अक्षयकांति बम को टिकट दिलाने वाले प्रदेश कांग्रेस मुखिया जीतू पटवारी व भाजपा नेताओं के प्रभाव वाली विधानसभा सीटों पर भी वोटिंग में गिरावट हुई है। मगर यह किस ओर है इस पर सस्पेंस है। जीतू के प्रभाव वाली राउ सीट पर पिछले लोस चुनाव से 9 और हालिया विस चुनाव से 15 फीसद कम वोट पड़े तो विजयवर्गीय के प्रभाव वाली इंदौर–1 सीट पर 6 और 12 प्रतिशत वोटिंग गिरी है। हालांकि यह भी माना जा रहा है कि कांग्रेस के परंपरागत वोटर प्रत्याशी नहीं होने के चलते भी संभवतः वोट करने नहीं आए।

दूसरे मंत्रियों व कांग्रेस के दिग्गजों के प्रभाव वाली सीटों पर भी वोटिंग में जबरदस्त गिरावट आई। यह गिरावट अकेले पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले ही नहीं, बल्कि 6 महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव के मुकाबले भी ये दिग्गज अपने प्रभाव वाली सीटों पर वोटिंग में गिरावट को नहीं बचा सके।

किसके प्रभाव वाली सीट, कितना गिरा मतदान

- मंत्री तुलसी सिलावट की सांवेर सीट पर विस चुनाव के मुकाबले 15.16 प्रशित कम वोट। यहां लोस चुनाव के मुकाबले भी 12.94 प्रतिशत की गिरावट।
- डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा की मल्हारगढ़ सीट पर बीते लोस व विस चुनाव की तुलना में 3.व 8.32 प्रतिशत की गिरावट। वहीं उज्जैन दक्षिण सीट पर क्रमशः 1.42 व 4.09 प्रतिशत कम वोट।
- मंत्री इंदर सिंह परमार के प्रभाव वाली शुजालपुर सीट पर इसी क्रम में 6.33 व 11.93 प्रतिशत कम वोट।
- मंत्री चेतन कश्यप की रतलाम शहर सीट पर 1.7 व 2.16 फीसद कम वोटिंग।
- रतलाम लोकसभा सीट पर भाजपा से पत्नी अनिता नागर को चुनाव लड़ाने वाले मंत्री नागर सिंह चौहान के प्रभाव वाली अलीराजपुर सीट पर लोस चुनाव 2019 में 68.74 व विस चुनाव 2023 में 70.26 प्रतिशत वोटिंग की तुलना में लोस चुनाव 2024 में 68.66 ही वोटिंग हुई।
- नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की गंधवानी सीट पर वोटिंग में पिछले दो चुनावों की तुलना में 1.05 व 3.37 गिरावट आई।
- कांग्रेस को धोखा देने वाले अक्षय कांति बम इंदौर की जिस इंदौर-4 विस सीट से विधानसभा चुनाव 2023 में टिकट मांग रहे थे वहां लोस व विस चुनाव की तुलना में 6.79 व 9.48 फीसद कम वोटिंग हुई।
- अकेले डॉ. विक्रांत भूरिया की झाबुआ विस सीट पर पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में 2.71 प्रतिशत अधिक वोट।

परीक्षा परिणाम की खुशी के कई रंग...

12वीं सीबीएसई

10वीं सीबीएसई

सीबीएसई 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ तो छात्र व छात्राएं पास होने पर खुशी का इजहार करने लगीं। फोटो निर्मल व्यास

बेहतर प्रदर्शन में 14-15वें नंबर पर भोपाल रीजन फिर भी छात्राएं आगे

इस बार भोपाल रीजन के परीक्षा परिणाम में दर्ज की गई 0.66 व 1.08 प्रतिशत की गिरावट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सोमवार को 10वीं और 12वीं के परिणाम जारी कर दिए है। कक्षा 10वीं का रिजल्ट 93.60 प्रतिशत रहा है। वहीं 12वीं में 87.98 प्रतिशत परिणाम रहा है। पिछले वर्ष के मुकाबले 10वीं में 0.48 प्रतिशत और 12वीं में 0.65 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। दोनो कक्षाओं के परिणामों में इस बार त्रिवेंद्रम रीजन का सबसे बेहतर प्रदर्शन रहा है। दसवीं में 99.75 और बारहवीं में 99.91 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा है। हालांकि भोपाल रीजन बीते वर्ष के मुकाबले इस बार पिछड़ गया है। भोपाल रीजन दसवीं में 90.58 प्रतिशत के साथ 15वें नंबर पर और 12वीं में 82.46 प्रतिशत के साथ 14वें नंबर पर रहा है। जबकि दसवीं में पिछले साल 91.24 प्रतिशत और 12वीं में 83.54 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए थे। यानी इस साल 10वीं में परिणाम 0.66 व 12वीं में 1.08 प्रतिशत कम परिणाम रहा। राजधानी भोपाल में 10वीं व 12वीं में करीब 16 हजार विद्यार्थी शामिल हुए हैं। 12वीं में लगभग 7 हजार तो 10वीं में 9 हजार विद्यार्थी शामिल हुए हैं।

दोनो ही कक्षाओं में छात्राएं आगे

सीबीएसई के परिणामों में इस बार दोनो ही कक्षाओं में छात्राएं आगे हैं। 94.75 प्रतिशत छात्राएं और 92.71 प्रतिशत छात्र पास हुए है। हालांकि इस साल बोर्ड ने टॉपर्स के नामों की घोषणा नहीं की है. बोर्ड ने अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा से बचने के लिए टॉपर्स की मेरिट सूची को रोकने की प्रथा जारी रखी। इसमें कहा गया है कि वह उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले 0.1 प्रतिशत छात्रों को योग्यता प्रमाणपत्र जारी करेगा।

10वीं में 22 लाख, 12वीं में शामिल हुए थे 16 लाख विद्यार्थी

दसवीं की परीक्षा में इस बार 25 हजार 724 स्कूलों के रजिस्टर्ड 22 लाख 51 हजार 812 छात्रों में से 22 लाख 38 हजार 827 परीक्षा में शामिल हुए थे। जिसमें से 20 लाख 95 हजार 467 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। वहीं कक्षा बारहवीं में 18 हजार 417 स्कूलों के रजिस्टर्ड 16 लाख 33 हजार 730 छात्रों में से 16 लाख 21 हजार 224 परीक्षा में शामिल हुए थे। जिसमें 14 लाख 26 हजार 420 विद्यार्थी पास हुए हैं। दसवीं के लिए 7603 और बारहवीं के लिए 7126 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

अंकों के वेरिफिकेशन 17 मई से

परीक्षा में कम नंबर पाने वाले छात्रों के पास दूसरा मौका है। वह कंपार्टमेंट परीक्षा और रिचेकिंग के जरिए अच्छे नंबर पा सकते हैं। जानकारी के अनुसार, कक्षा 10वीं के सप्लीमेंट्री एग्जाम 15 जुलाई से आयोजित की जाएगी। वहीं अंकों के वेरिफिकेशन 17 मई से आयोजित किया जाएगा। यह केवल 5 दिनों के लिए उपलब्ध होगा। उत्तर पुस्तिकाओं के रिचेकिंग के लिए आवेदन 6 जून से शुरू होगा। यह सुविधा दो दिनों के लिए उपलब्ध है। सीबीएसई ने यह भी साझा किया है कि समय सीमा के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। कोई ऑनलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्र. 2

स्वाति ने 12वीं में 95.8, वेद श्री ने 10वीं में अर्जित किए 98.6 प्रतिशत अंक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सीबीएसई के दसवीं और बारहवीं के नतीजों में राजधानी स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्र. 2, के विद्यार्थियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। कक्षा दसवीं की छात्रा वेद श्री सुबोध कुमार राउत ने 500 में से 493 अर्जित कर 98.6 प्रतिशत के साथ पहला स्थान बनाया। उन्हें संस्कृत में पूरे 100 प्रतिशत अंक मिले। 483 अंक और 96.6 प्रतिशत के साथ शालीन बेरा दूसरे और 477 अंक व 95.4 प्रतिशत अंकों के साथ हेमा लुइटेल तीसरे स्थान पर रहीं। कक्षा बारहवीं में वाणिज्य संकाय की छात्रा स्वाति सुंदर राजन 500 में से 479 अंक (95.8 प्रतिशत) उपार्जित कर प्रथम स्थान पर रहीं। उल्लेखनीय है कि भोपाल स्थित केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, 2 और 3 में वाणिज्य संकाय में सर्वाधिक अंक स्वाति के ही हैं। इसी विद्यालय के विनायक अवस्थी 475 अंक (95 प्रतिशत) तीनों केंद्रीय विद्यालयों में दूसरे स्थान पर हैं। मानस उज्जैनिया 468 अंक (93.6 प्रतिशत) अपने विद्यालय (केंद्रीय विद्यालय क्र.2 भोपाल) में तीसरे स्थान पर हैं। मानस ने व्यावसायिक अध्ययन (बिजनेस स्टडीज) विषय में 100 प्रतिशत अंक हासिल किए। विज्ञान संकाय में राघव दीपक बेहरे 463 अंक (92.6 प्रतिशत) अंक लेकर विद्यालय में पहले स्थान पर हैं। दूसरे स्थान पर हर्षवर्धन सिंह तोमर 452 अंक (90.4प्रतिशत) और तीसरे स्थान पर 438 अंक (87.6 प्रतिशत) के साथ सैयद यासीन अली रहे।

बिना मंजूरी कराई जा रही थीं शादी! मैरिज गार्डन व रेस्तरां पर जड़ा ताला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में नगर निगम की अनुमति के बिना अवैध रूप से संचालित मैरिज गार्डन, शादी हाल, रेस्टोरेंट, बेन्क्वेट हाल के विरुद्ध जांच-पड़ताल अभियान के तहत कार्रवाई चल पडी है। इसी सिलसिले में नगर निगम भवन अनुज्ञा शाखा के अधिकारियों के दल ने नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण के निर्देश पर जांच के बाद चार मैरिज गार्डन पर तालाबंदी की कार्रवाई की। जानकारी के मुताबिक जांच में शेरवुड रेस्टोरेंट एंड बार, कियोस्क काफी रेस्टोरेंट, कंट्रीसाइड मिंडोस एवं ट्यूनेस्ड मैरिज गार्डन को सील किया गया। इन चारों को मिलाकर अब तक 45 मैरिज गार्डन के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है। इससे पूर्व

नगर निगम एक्शन में

निगम के अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निगम की अनुमति प्राप्त किए बगैर अवैध रूप से संचालित अनेक मैरिज गार्डन, शादी हाल आदि पर तालाबंदी की कार्रवाई की थी।

शराब दुकान पर जुर्माना

कार्रवाई के इस दौर में नगर निगम का अमला वार्ड नंबर-69 अशोका गार्डन क्षेत्र स्थित कम्पोजिट देशी एवं अंग्रेजी शराब की दुकान का निरीक्षण करने पहुंचा। इस दौरान अमले को दुकान के बाहर बड़ी संख्या में प्लास्टिक ग्लास, पाउच, पानी की बाटलें व अन्य प्रकार की गंदगी पाई गई। जिस पर जोन के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी बलवीर मलिक ने मदिरा दुकान संचालक के विरुद्ध 05 हजार रुपये का जुर्माना किया गया। साथ ही अन्य क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 169 प्रकरणों में कुल 69 हजार 350 रुपये जुर्माना वसूल किया गया।

घर में पहुंच रहा अस्पताल का संक्रमित पानी, ननि आयुक्त को निरीक्षण के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने भोपाल जिले के दो मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला भोपाल के 1100 क्वार्टर स्थित डेऊनेज में मलबा भरने से बुजुर्गों के घर में अस्पताल का संक्रमित पानी पहुंचने का है। मामले में आयोग ने नगर निगम आयुक्त को तत्काल स्थल निरीक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन 15 दिन में मांगा है।

आयोग के संज्ञान में आया है कि, भोपाल शहर के 1100 क्वार्टर स्थित एक अस्पताल के पीछे की लाइन में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान मलबा और निर्माण सामग्री डेऊनेज पर डालने से नालियां चोक हो रही है। इस कारण अस्पताल के सामने रहने वाले दो बुजुर्ग दंपतियों को परेशानी हो रही है। नालियां चोक होने के कारण उनके घर के सामने

मप्र मानव अधिकार आयोग ने लिया भोपाल जिले के दो मामलों में संज्ञान

गंदा पानी जमा हो रहा है। जिस कारण संक्रमित बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है।

डेम में डूबने से तीन युवक, कलेक्टर से जवाब तलब

भोपाल शहर के बिलखिरिया इलाके में मौजूद घो?ा पछा? डेम में तीन युवकों की डूबने से मृत्यु होने की घटना पर संज्ञान जेते हुए आयोग ने कलेक्टर को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने की गई कार्रवाई के सम्बन्ध में मृतकों के वैध उत्तराधिकारी को नियमानुसार देय आर्थिक मुआवजा राशि के सम्बन्ध में तीन सप्ताह में प्रतिवेदन मांगा है।

मेट्रो एंकर

विकास ने किया टॉप 96.6 प्रतिशत अंक हासिल किए

मिठी का सीबीएसई 12वीं का परिणाम शत-प्रतिशत

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

शहीद हेमू कालानी एजूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने सीबीएसई की 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में अपनी अकादमिक उत्कृष्टता का फिर प्रदर्शन किया।

स्कूल के छात्र विकास शामनानी ने वाणिज्य संकाय में 96.6त्न अंक हासिल कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विकास ने बिजनेस स्टडीज में 100 में से 100 अंक हासिल किए। इसी तरह संकल्प जैन एवं आयुष तेजवानी ने 94.6त्न अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। वैदिक गुप्ता ने 93.6 प्रतिशत अंक हासिल कर तीसरा, कार्तिक माखीजानी ने 92.6त्न प्राप्त कर चौथा, पंकज नरसिंघानी ने 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पांचवाँ एवं वैभव

अमुलानी ने 91.6 प्रतिशत अंक हासिल कर छंठवां स्थान प्राप्त किया।

स्कूल के प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने बताया कि इस वर्ष कुल 96 विद्यार्थी 12वीं की परीक्षा में शामिल हुए, जिसमें 90प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 07, 80प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले छात्रों की संख्या 33 रही। वहीं कुल 69 विद्यार्थियों ने 60प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। विद्यालय का कक्षा 12वीं का परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

सिद्धभाऊजी ने अपने संदेश में सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि रचुनौतियों से लड़ने पर ही हमारा आत्मबल मजबूत होता है। जिस तरह आपने पढ़ाई में उत्कृष्टता प्राप्त की है, उसी प्रकार जीवन में आने वाली विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए आप सफल होंगे। आप सबके साथ माता-पिता का आशीर्वाद है, तो निःसंदेह आप जीवन में नई-नई ऊंचाईयों को अवश्य प्राप्त करेंगे। आपने कहा कि जो संस्कार आपने स्कूल में प्राप्त किये हैं, वे जीवन में कभी न भूलें क्योंकि इससे आप एक नेक और अच्छे इन्सान बनेंगे।

राजधानी से खाटूश्याम के दर्शन समेत उत्तरभारत यात्रा का पैकेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

खाटूश्याम और उत्तर भारत दर्शन के लिए पांच जून को चलाई जाने वाली भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ने रानी कमलापति से चलाने का निर्णय लिया है।यह ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन सहित सीहोर, शुजालपुर, देवास, इंदौर, रतलाम, नागदा, शामगढ़ और कोटा स्टेशन होते हुए गुजरेगी।आईआरसीटीसी के मुताबिक 10 रात और 11 दिन के इस टूर पैकेज में यात्री जयपुर, खाटूश्यामजी, मथुरा, हरिद्वार, अमृतसर और वैष्णोदेवी के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कर सकेंगे। पैकेज की बुकिंग शुरू हो चुकी है। इकोनामी श्रेणी (स्लीपर) में बुकिंग कराने पर यात्रियों को 28650 और स्टैंडर्ड श्रेणी (थर्ड एसी) के लिए 37500 रुपए चुकाना होंगे।र पैकेज में आन बोर्ड और आफ बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन, अच्छी बसों से यात्रा, आवास, यात्री बीमा, सुरक्षा और हाउसकीपिंग आदि की सुविधाएं दी जाएंगी।

बिना हाथियों के मानसून गश्त की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जून के पहले सप्ताह से टाइगर रिजर्वों में मानूसन गश्ती होनी है। इसकी तैयारी की जा रही है लेकिन इस गश्ती में सबसे जरूरी जिन हाथियों का होना चाहिए वे ही नहीं है। गिने–चुने हाथी है लेकिन उनमें से भी कई तो बूढ़े हो चुके हैं। जबकि यह गश्त ही हाथियों के दम पर की जाती है। यह स्थिति कोई पहली बार नहीं नहीं है, बल्कि हर वर्ष बनती आई है लेकिन इतने वर्षों में विभाग इस कमी को पूरा नहीं कर पाया। साल दर साल यह कमी बढ़ती गई। बाघों की निगरानी में हाथियों का अहम रोल होता है। यदि बाघ बाहर निकल जाए तो उसे घेरने, हॉका लगाने, उसे बेहोश करने और पकड़कर वापस रिजर्व में लाने में सबसे अहम रोल हाथियों का ही होता है। जब भी दूसरे रिजर्व में बाघ बाहर निकलते हैं तब विभाग कभी सतपुड़ा और कभी बांधवगढ़ रिजर्व से हाथियों का परिवहन करते हैं, तब जाकर रेस्क्यू अभियान की शुरुआत होती है। हाथियों की यही जरुरत नहीं है बल्कि मानसून गश्त में उन दुर्गम स्थलों तक पहुंचने में भी ये ही मदद करते हैं, लेकिन ज्यादातर रिजर्वों के पास तो जरुरत से आधे भी हाथी नहीं है।

अधूरे रहे प्रयास

वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों का कहना है कि दूसरे प्रदेश से हाथी लाने के कई प्रयास किए और अब भी जारी है लेकिन नतीजा यह है कि ये प्रयास अधूरे ही रहे। हालांकि बीच में विभाग ने दावे किए कि छत्तीसगढ़ व दूसरे राज्यों से जिन हाथियों ने मप्र के जंगल को ठिकाना बनाया, उन्हें ही प्रशिक्षित कर मानसून गश्ती में मदद लेंगे। यह प्रयास भी पूरी तरह सफल नहीं हुआ।

शिकारी जान रहे, रिजर्वों के पास हाथी नहीं

रिजर्व प्रबंधन के पास हाथियों का कोई विकल्प भी नहीं है जिसकी वजह से रिजर्व के दुर्गम क्षेत्रों तक गश्त संभव नहीं है। जिसका फायदा शिकारी उठा सकते हैं क्योंकि वे यह बात जानते हैं कि रिजर्व के पास जरुरत के हिसाब से हाथी नहीं है। टाइगर रिजर्वों में बाघों की सुरक्षा के लिए जून महीने में मानसून गश्त की जाती है। जिसमें रिजर्व के प्रत्येक दुर्गम स्थानों पर हाथियों की मदद से जाकर हांका लगाते है। गश्त के दौरान दुर्गम क्षेत्रों में यदि कोई वन्यप्राणी मृत हो तो उसे संज्ञान में लिया जाता है। शिकारियों की गतिविधियों की पहचान कर उन्हें इस बात का संदेश देना होता है कि प्रबंधन की पहुंच प्रत्येक दुर्गम क्षेत्रों तक है।

जून के पहले सप्ताह से शुरू होनी है रिजर्वों में गश्ती

मप्र के पास 785 बाघ

प्रदेश में 785 बाघ है, सर्वाधिक है। इनकी निगरानी के लिए प्रत्येक रिजर्व को उपलब्ध हाथियों के अलावा 10 हाथियों की जरुरत है जो कि नहीं है। अब तो बाघों की आबादी वाले भोपाल सामान्य वन मंडल भी हाथी मांग रहा है लेकिन अब तक नहीं मिले। दूसरे रिजर्वों के पास अतिरिक्त हाथी नहीं है।

कई विद्यार्थी करना चाहते हैं रोजगार परक कोर्स

छात्र-छात्राएं फोर्थ ईयर में प्रवेश लेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने थर्ड ईयर के सभी छात्रों को ऑनर्स या रिसर्च डिग्री हासिल करने के लिए चौथे साल पढ़ाई करने की अनुमति दे दी है। इस साल पहली बार छात्र-छात्राएं फोर्थ ईयर में प्रवेश लेंगे, लेकिन इसमें केवल वही विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे जिन्होंने थर्ड ईयर में 7.5 सीजीपीए यानि 75 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। पिछले रिकॉर्ड के अनुसार थर्ड ईयर में पढ़ने वाले 30 से 32 प्रतिशत छात्र-छात्राएं ही 7.3 सीजीपीए हासिल किया था। विद्यार्थी फोर्थ ईयर में प्रवेश लेना चाहते हैं, प्रवेश न लेने का कारण क्या है। कितने छात्रों को इसके बारे में जानकारी, फोर्थ ईयर में प्रवेश से विद्यार्थियों को क्या लाभ होगा। ऐसे कई सवाल जिस पर पत्रिका ने राजधानी के अलग-अलग कॉलेजों के 600 छात्र-छात्राओं के बीच सर्वेक्षण किया और जाना कि कितने विद्यार्थी फोर्थ इयर में प्रवेश लेने में रुचि रखते हैं।

समर कैंप: कई जगह पर खाली ही रह गए स्कूल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशों के तहत सोमवार से सरकारी स्कूलों में समर कैम्प शुरू हो गए। लेकिन यह केवल औपचारिकता साबित हुए। शहर के तीन चार स्कूलों को छोड़ दें तो बाकी में बच्चे ही नहीं पहुंचे। पहला दिन होने को इसका कारण बताया गया। पर्सनालिटी डेवलपमेंट और बच्चों की क्रिएटिविटी बढ़ाने के लिए यह पहल हुई है। सोमवार को सरकारी स्कूलों में समर कैम्प की शुरूआत करते हुए रजिस्ट्रेशन होना थे। लेकिन कई जगह ताला लगा रहा। ऐशबागा स्थित सरकारी स्कूल में कोई पहुंचा ही नहीं। अशोका गार्डन में भी यही स्थिति रही। समर कैम्प में गतिविधियों के रूप में भेल के एमएलबी में बच्चों को ड्राइंग और क्ले का उपयोग बताया गया। सीएम राइज में भी कार्यक्रम हुए। राजधानी में करीब 900 सरकारी स्कूल हैं। कैम्प में इनडोर गेम्स के साथ अन्य रचनात्मक कार्य बच्चों को सिखाएं जाएंगे। यहां पेटिंग, डांस, संगीत जैसी गतिविधियां कराई जाना है। इस दौरान स्कूलों में शिक्षक मौजूद रहेंगे। इनके अलावा प्रशिक्षण देने एक्सपर्ट की व्यवस्था जिला स्तर पर व्यवस्था करनी होगी। 13 मई तक यह आयोजन होना है। लोक शिक्षण के निर्देश के तहत काम होंगे। इसके लिए व्यवस्था कराई जाएगी।

मतदान के बाद अब मतों का आंकलन करने का दौर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भाजपा व कांग्रेस ने चौथे दौरे के मतदान के बाद अब मतदान के प्रतिशत के आधार पर गुणाभाग लगाना शुरू कर दिया है। भाजपा कार्यालय में सीएम मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने वॉर रूम में लोकसभा की 8 सीटों पर हो रहे मतदान को लेकर विभिन्न टोलियों के सदस्य से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और महिला वॉर रूम का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला जनप्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूह, नारी वंदन समूह, अलग-अलग प्रकार की बहनों से काम की गति बढ़ाने एवं उनको चुनाव निर्वाचन से जोड़ने की यह पहल वास्तव में अभिनव है। मैं तो यह सब देखकर आश्चर्यचकित हूं कि अगर हम इतना कुछ करेंगे, तो कांग्रेस बचेगी कहां। महिलाओं की दृष्टि से तो इसका महत्व और भी ज्यादा है।

उधर मतदान के दौरान उज्जैन, इंदौर, रतलाम, मंदसौर, खण्डवा, खरगौन, धार व देवास लोकसभा क्षेत्रों में मतदान प्रक्रिया के दौरान आने वाली गड़बड़ियों व परेशानियों को लेकर विधानसभा, लोकसभा, जिला और प्रदेश कार्यालय में स्थापित नियंत्रण कक्ष को कुल 212 शिकायतें प्राप्त हुई। इनमें से 141 शिकायतें राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष को मिलीं। जिन्हें निराकरण के लिए निर्वाचन आयोग को प्रेषित किया गया। 14 शिकायतें ई-मेल द्वारा भारत निर्वाचन आयोग को गई तथा भाजपा विधि प्रकोष्ठ द्वारा जिलों में 57 शिकायतें की गई हैं।

सबसे अधिक इंदौर में शिकायतें

लोकसभा के तीसरे चरण के मतदान को लेकर भाजपा को सबसे अधिक शिकायतें इंदौर लोकसभा क्षेत्र में प्राप्त हुई हैं, वहीं सबसे कम शिकायतें खरगोन लोकसभा क्षेत्र में की गई हैं। उज्जैन 15, मंदसौर 25, रतलाम 16, धार 08, इंदौर 36, खरगोन 05 और खण्डवा में 11 शिकायतें की गई हैं।इधर अध्यक्ष वीडी शर्मा ने अंतिम चरण के मतदान पर कहा कि जिस प्रकार से जनता जनार्दन ने आगे ब?कर भाग लिया है, उसके चलते मतदान प्रतिशत उत्साहवर्द्धक रहा है। यह लोकतंत्र की मजबूती के लिए सकारात्मक पहल है। वहीं भाजपा की शिकायत पर देवासे के पीठासीन अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया। दरअसल भाजपा वार रूम को जानकारी मिली थी कि बूथ 69 में मुस्लिम समाज की महिलाएं बिना बुर्का उठाए वोट कर रही हैं। फर्जीवा? की आशंका को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पहले स्थानीय प्रशासन से महिला कांस्टेबल को तैनात कर पहचान-पत्र से महिलाओं की पहचान बुर्का उठाकर करने की मांग की, लेकिन बार-बार शिकायत के बाद भी पीठासीन अधिकारी ने शिकायत को नजरअंदाज किया।

बंगाल में शिवराज हुए सक्रिय

मतदान का दौर मप्र में निपट जाने के बाद पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने बंगाल का रुख किया, मेदनीपुर से भाजपा प्रत्याशी अग्निमित्रा पॉल, घाटल से हिरोनमोय चट्टोपाध्याय और श्रीरामपुर से भाजपा प्रत्याशी कबीरशंकर बोस के समर्थन में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। इस दौरान चौहान ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी पर जमकर निशा साधा। भाजपा के अन्य नेता भी प्रचार के लिये शेष राज्यों में जल्द दौरे शुरू करेंगे।

अतिथि विद्वानों की सेवाएं आगामी आदेश तक के लिए समाप्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में कार्यरत अतिथि विद्वानों को बड़ा झटका मिला है। विवि प्रबंधन ने अधिसूचना जारी करते हुए आगामी आदेश तक के लिए अतिथि विद्वानों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। विवि के कुलसचिव शैलेंद्र कुमार जैन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि चार मई 2023 को विवि के विभिन्न विभागों में पदस्थ अतिथि विद्वानों को छह मई 2023 से आगामी आदेश तक आमंत्रित किया गया था। चुनाव आचार संहिता प्रभावशील होने के कारण विवि ने पत्र के माध्यम से मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग से इस संबंध में मार्गदर्शन मांगा था। इसके अनुसार आठ मई 2024 को विवि को प्राप्त मार्गदर्शन के आधार पर विश्वविद्यालय में कार्यरत अतिथि विद्वानों को 13 मई से आगामी आदेश तक के लिए सेवाएं समाप्त करने का आदेश जारी किया।

मेट्रो एंकर ढाई सौ स्कूलों से होता है कवरेज, प्रदेश में दूसरी जगह भी हो रही शुरुआत

प्रदेश में अपनी तरह का पहला प्रयोग, स्कूल में चैनल और रेडियो स्टेशन, एंकर के रोल में छात्राएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के सरकारी स्कूल की छात्राओं ने एक अनोखी पहल करते हुए अपना वेबचैनल तैयार है वहीं रेडियो स्टेशन भी संचालित कर रही हैं। इसमें एंकर से लेकर रेडियो जॉकी तक सभी काम छात्राएं देख रही हैं। प्रदेश में ये अपनी तरह का पहला प्रयोग है। राजधानी के सरोजनी नायडू स्कूल में यह नवाचार हो रहा है। स्कूल की करीब तीस छात्राएं और प्रदेश के एक हजार से ज्यादा विद्यार्थी इससे जुड़े हैं। इनका अपना वेबचैनल है। जिस पर प्रदेश के स्कूल की हलचल दिखाई जाती है। इन कार्यक्रमों के लिए छात्राएं ही स्क्रिप्ट तैयार करती है और वे एंकर हैं। करीब दो साल पहले योजना शुरू हुई थी। चैनल और स्टेशन अब पूरी तरह से काम कर रहे हैं। राजधानी के बाद

प्रदेश के कुछ और जिलों के सरकारी स्कूलों में इस पर काम शुरू किया जाना है। 52 जिलों के करीब एक हजार बच्चे अभी इसमें भागीदार हैं। लोक शिक्षण संचालनालय कमिश्नर शिल्पागुप्ता ने हाल में यहां जाकर इंतजाम देखे। उन बच्चे से अनुभव पूछे जो संचालन कर रही हैं। .

बच्चे बनते हैं आरजे

प्रदेश के करीब ढाई सौ स्कूलों के बीच यह नेटवर्क है, जो सोशल मीडिया से जुड़े हुए हैं। कार्यक्रम वेब चैनल पर प्रसारित किया जाता है। छात्राओं के इस रेडियो स्टेशन और चैनल पर कई कार्यक्रम हैं। बच्चों ने आरजे के रूप में कई अधिकारियों के इंटरव्यू भी लिए हैं, जो इनके यू ट्यूब चैनल पर हैं। राज्य ओपन बोर्ड का कान्सेप्ट, आईआईएम बेगलुरु भी कर रहा सपोर्ट स्कूल शिक्षा के राज्य ओपन बोर्ड के कान्सेप्ट के आधार पर इसका संचालन हो रहा है। बच्चों के व्यक्तित्व विकास और शिक्षा में नयापन लाने के लिए इस पर काम शुरू किया है। इसमें कई प्रतिभाएं सामने आई हैं। प्रदेश के करीब ढाई सौ स्कूलों से एक हजार बच्चे चैनल और रेडियो स्टेशन से जुड़े हैं।

संपादकीय

बीमारियों की वजह खराब खानपान

आइसीएमआर के तहत काम करने वाली संस्था राष्ट्रीय पोषण संस्थान यानी एनआइएन ने हाल में आहार संबंधी विवरण पेश करते हुए सत्रह ऐसे खाद्य पदार्थों की सूची जारी की है, जिनसे परहेज करके बीमारियों से दूर रहा और स्वास्थ्यकर जीवन बिताया जा सकता है। निश्चय ही इससे लोगों में अपने स्वास्थ्य को लेकर कुछ सतर्कता बढ़ेगी। संस्था ने माना है कि खानपान की खराब आदतों के चलते कुछ बीमारियां आमजीवन में लोगों के साथ नत्थी होती जा रही हैं और करीब 56 फीसदी बीमारियों की वजह ही खराब खानपान की आदतें हैं। दरअसल पिछले कुछ दशक में जीवन-शैली संबंधी बीमारियां समाज और सरकार के लिए चिंता का विषय बनती गई हैं। स्वास्थ्य और आहार विशेष निरंतर लोगों से अपनी जीवन-शैली में बदलाव लाने, आहार संबंधी सतर्कता बरतने का आह्वान करते रहे हैं, मगर उसका अपेक्षित असर नहीं देखा जाता। खासकर पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह लोगों की खानपान संबंधी आदतें बदली हैं, उससे कई नई तरह की बीमारियां पैदा हो रही हैं। स्वास्थ्य संबंधी इन नई समस्याओं की गिरफ्त में बच्चों और युवाओं को अधिक देखा जा रहा है। मोटापा और मधुमेह अब युवाओं के बीच आम समस्या की तरह उभरे हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद यानी आइसीएमआर ने अपनी ताजा रपट में खुलासा किया है कि यह बीमारियां अस्वास्थ्यकर खानपान की वजह से ही होती हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि खासकर शहरी और कस्बाई जीवन में खानपान की आदतें बहुत तेजी से बदली हैं। जबसे डिब्बाबंद और बने-बनाए भोज्य पदार्थों का बाजार ब?ा है, तब से खानेपीने के पारंपरिक नियम-कायदे छिन्न-भिन्न होने लगे हैं। बच्चों और युवाओं की जीभ पर बाजार का स्वाद चढ गया है। इसमें लोग भूल ही गए हैं कि क्या खाना सेहत की दृष्टि से उचित है और क्या अनुचित। खानेपीने का कोई तय समय भी नहीं रह गया है। इस तरह युवाओं के चयापचय पर बुरा असर पड़ा है, जिसका नतीजा उनमें बढ़ता मोटापा और उनके हृदय पर बढ़ता बोझ है। बहुत सारे कसरत करने वाले युवा, बिना सोचे-समझे प्रोटीन की खुराक लेते हैं, यह उनकी सेहत पर बहुत बुरा असर डाल रहा है।इन्ही सब बातों को लेकर आइसीएमआर ने आगाह किया है। यह निश्चय ही चिंता का विषय है कि आधे से अधिक लोगों में बीमारियां केवल गलत खानपान की आदतों की वजह से पैदा हो रही हैं। हालांकि आज का शहरी दौर पुराने शहरी दौर के मुकाबले ज्यादा जटिल हो गया है। इसमें सुबह जल्दी काम पर भागने और देर शाम या रात को लौटने की मजबूरी होती है। कामकाज के करीब पंद्रह घंटे में लोगों के सामने बाजार का खाना जरूरी हो जाता है। कामकाजी दंपति के सामने मुश्किल और बडी होती है कि अक्सर एक वक्त का खाना उन्हें किसी होटल आदि से आर्डर देकर बुलाना पड़ता है, क्योंकि वे घर लौटकर इस हाल में नहीं होते की खाना पका सकें। इस मजबूरी की चपेट में बच्चे भी आ रहे हैं और वे होटल के खाने के आदी बनते जा रहे हैं जो नाजुक उम्र में सेहत व पोषण के मामले में ठीक नहीं है। माना जा सकता है कि मजबूरी के चलते ऐसा करना जरूरी हों रहा है लेकिन भविष्य के खतरे और सेहत को सहेजने के लिये जरूरी है कि हर व्यक्ति खानपान की आदतों में सुधार लाये और साफ सादा व सेहत बनाने वाला आहार अपनाए, शहरी जीवन में यह थोडा मुश्किल है लेकिन असंभव तो कदापि नहीं है।

सम्मान कभी छीन कर नहीं पाया जाता, बल्कि उसे अच्छे स्वभाव और अच्छे कर्मों से कमाया जाता है।

आज का इतिहास

- 1264 द्वितीय बैरन के युद्ध-राजा हेनरी ढ्ढढ्ढ को बैटलोफ लुईस पराजित किया गया था और उन्होंने साइज़ डी मोंटेफ़ को इंग्लैंड के शासक के रूप में देखते हुए, लुईस के हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया।
- 1607 एडवर्ड मारिया विंगफील्ड, क्रिस्टोफरनपोर्ट, और जॉन स्मिथ की अगुवाई में एक अभियान ने उत्तरी अमेरिका में जैमस्टोन, वर्जीनिया की स्थापना की, जो पहली अंग्रेजी बस्ती थी।
- 1610 फ्रांस में हेनरी की हत्या और लुईस फ्रांस की गद्दी पर बैठा।
- 1702 इंग्लैंड और नीदरलैंड ने फ्रांस और स्पेन के खिलाफ़ युद्ध की घोषणा की।
- 1702 इंग्लैंड और नीदरलैंड ने फ्रांस और स्पेन से युद्ध की घोषणा की
- 1719 न्यू फ्रांस ने स्पेन के साथ युद्ध में बिएनविल, पेंसाकोला पर कब्जा किया।
- 1767 ब्रिटिश सरकार ने चाय पर अमेरिकियों का आयात शुल्क घटाया।
- 1787 तेरह अमेरिकी राज्यों के प्रतिनिधिमंडलों ने कॉन्फेडरेशन के लेखों को संशोधित करने के उद्देश्य से फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया में कॉन्स्टीट्यूशनल कन्वेंशन का आयोजन किया।
- 1796 इंग्लैंड में एडवर्ड जेनर ने पहले चेचक का टीकाकरण किया था।
- 1796 अंग्रेजी चिकित्सक एडवर्ड जेनर ने चेचक के खिलाफ एवासीन के रूप में काउपॉक्स का परीक्षण शुरू किया।
- 1800 द्वितीय गठबंधन जनरल लूयस-एलेक्जेंडर बेर्थियर के तहत फ्रांसीसी सेनाएं ओस्टा घाटी में फोर्ट बर्द में 400 ऑस्ट्रो-पिदममोन सैनिकों द्वारा रोकी गई।

निशाना

दिन बचे कुछ शेष !

- कृष्णेन्द्र राय

ना बख्शेंगे किसी को ।
बनी यदि सरकार ।।
दिन बचे कुछ शेष ।
है रहना तैयार ।।
कुछ दिन की मनमानी ।
चाहे जो कर डालो ।।
हमको ही है लौटना ।
खुद को अब संभालो ।।
सबका हमको ध्यान ।
भूल नहीं ये जाना ।।
करके रहेंगे पेश कुछ ।
अलग अब नज़राना ।।
भले बचा ना पाए ।
अपनी हम सरकार ।।
लेकिन कूद लगाने को ।
हो रहे तैयार ।।

निर्यात में विविधता से चुनौतियों का मुकाबला

भारत से दवाओं का निर्यात 2023-24 में 27.9 अरब डॉलर पहुंच गया है 2022-23 के दौरान यह आंकड़ा 25.4 अरब डॉलर रहा था....

■ जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 4 मई से सरकार ने प्याज के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया है। यह फैसला देश में प्याज के मौजूदा रबी पैदावार के अच्छे होने और बेहतर मानसून की वजह से इस वर्ष खरीफ के दौरान भी बढ़िया पैदावार की संभावना को देखते हुए किया गया है। सरकार ने प्याज निर्यात की न्यूनतम कीमत 550 डॉलर प्रति टन तय की है और इस पर 40 फीसदी का निर्यात शुल्क भी लगेगा। इस फैसले की वजह से देश में प्याज की पैदावार करने वाले किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी। ज्ञातव्य है कि पिछले वर्ष दिसंबर, 2023 में केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 के खरीफ पैदावार की स्थिति को देखते हुए प्याज निर्यात को प्रतिबंधित कर दिया था। इसका असर घरेलू बाजार में खास तौर पर दिखा है। इस दौरान देश में प्याज की कीमतें अमूमन स्थिर रही हैं। चूंकि वर्ष 2023-24 में 2.55 करोड़ टन प्याज उत्पादन की संभावना है। जो देश की मांग और निर्यात मांग को देखते हुए पर्याप्त है। अभी निर्यात प्रतिबंधित होने के बावजूद बांग्लादेश, भूटान, यूएई, श्रीलंका आदि को कुछ मात्रा में प्याज की आपूर्ति की गई है। निश्चित रूप से प्याज निर्यात से प्याज उत्पादक किसानों को लाभ होगा।

दरअसल, घटते हुए वैश्विक व्यापार और घटते हुए वैश्विक निर्यात के बीच भारत से निर्यात के सूझबूझपूर्ण निर्णय लिए जाने होंगे। यद्यपि भारत से पिछले कुछ वर्षों में लगातार रिकॉर्ड निर्यात हुए हैं, लेकिन अब भीषण होते हुए इस्राइल-ईरान टकराव से गहराती हुई नई वैश्विक व्यापार चुनौतियों के बीच भारत को निर्यात बढ़ाने व आयात घटाने की विशेष रणनीति के साथ आगे आना होगा। खासतौर से हाल ही में 28 अप्रैल को प्रकाशित आर्थिक टैंक ग्लोबल ट्रेड एंड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के वस्तु आयात में चीन की जो हिस्सेदारी बढ़कर 30 फीसदी के चिंताजनक स्तर पर पहुंचते हुए 101 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच गई है, उसे आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियानों से नियंत्रित करना होगा।

गौरतलब है कि हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारत से माल एवं सेवाओं का कुल निर्यात 776.68 अरब डॉलर रहा, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 776.40 अरब डॉलर रहा था। ऐसे में गत वित्त वर्ष में सेवा निर्यात 3.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 339.62 अरब डॉलर का रहा, जबकि वस्तु निर्यात 3.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 437.06 अरब डॉलर रहा। जहां पिछले वर्ष में कुल आयात 854.80 अरब डॉलर का रहा, वहीं वर्ष 22-23 में कुल आयात 898 अरब डॉलर मूल्य का रहा था। ऐसे में पिछले वर्ष आयात में कमी से कुल व्यापार घाटे में 36 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। पिछले वर्ष में आयात में गिरावट की बड़ी वजह तेल का कम आयात था। कच्चे तेल की कीमतें कम रहने से बीते वर्ष में तेल के आयात पर करीब 16 फीसदी कम खर्च हुआ।

निश्चित रूप से बीते कुछ वर्षों में भारत के निर्यात का एक चमकदार पहलू सेवा निर्यात है। भारत डिजिटल माध्यम से मुहैया करायी गयी सेवाओं के निर्यात में वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। डिजिटल माध्यम से सेवा निर्यात के तहत कंप्यूटर नेटवर्क का इस्तेमाल कर शिक्षा, मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन, गेमिंग, मनोरंजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि के लिए दक्ष ऑपरेटर, कुशल प्रोग्रामर और कोडिंग विशेषज्ञ द्वारा दी जाने वाली सेवाएं शामिल हैं। भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात बढ़ रहा है। यह

कोई छोटी बात नहीं है कि वर्ष 2015-16 से लगाकर वर्ष 2022-23 के बीच भारत में जीसीसी की संख्या 60 फीसदी बड़कर 1,600 से अधिक हो गई है। विश्व व्यापार संगठन की रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल माध्यम से जुड़ी हुई सेवाओं के तेजी से बढ़ते निर्यात के कारण इस क्षेत्र में भारत जर्मनी और चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में अमेरिका, ब्रिटेन और आयरलैंड के बाद चौथे क्रम पर आ गया है। इस समय भारत के प्रमुख निर्यात बाजारों में अमेरिका, यूएई, यूरोपीयन यूनियन, ब्रिटेन, सिंगापुर, मलेशिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड, चीन व जर्मनी शामिल हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत से दवाओं का निर्यात 2023-24 में 27.9 अरब डॉलर पहुंच गया है। 2022-23 के दौरान यह आंकड़ा 25.4 अरब डॉलर रहा था। सरकार द्वारा प्रमुख दवा सामग्री और जेनेरिक दवाओं के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए जो दो उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं शुरू की गई हैं, उनका लाभ दवा निर्यात में मिलने लगा है। आईफोन के निर्यात में भी भारत उभरकर दिखाई दे रहा है। आईफोन निर्माता कंपनी एपल ने पिछले वर्ष में भारत से 10 अरब डॉलर के आईफोन का निर्यात किया, जो अभी तक का रिकॉर्ड है। कंपनी ने पीएलआई योजना के तहत पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में जो फोन बेचे, उनकी कीमत 2022-23 में बिके आईफोन की कीमत से दोगुनी करीब एक लाख करोड़ रुपये रही है। भारत में यह पहला मौका है, जब किसी कंपनी ने इतनी अधिक कीमत का अपना कोई उपभोक्ता उत्पाद निर्यात किया है। एपल दुनियाभर में वैल्यू चेन रखने वाली पहली ऐसी कंपनी है, जिसने भारत को घरेलू बाजार के बजाय निर्यात के लिए अपना केंद्र बना लिया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि युद्धजनित आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत के लिए वैश्विक व्यापार और निर्यात बढ़ाने हेतु मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की अहमियत और बढ़ गई है। भारत ने अब तक तीन एफटीए किए हैं। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मई 2022 में लागू द्विपक्षीय कारोबार में पिछले दो वर्षों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। यूएई, भारत का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य, तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार और चौथा सबसे बड़ा निवेशक देश है। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया के साथ भी हुए एफटीए से भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार बढ़ा है। विगत 10 मार्च को भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के बीच निवेश और वस्तुओं एवं सेवाओं के दोतरफा व्यापार को बढ़ावा देने के लिए किया गया एफटीए भी अत्यधिक उपयोगी है।

दुनिया में भू राजनीतिक मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं, उससे कच्चे तेल के दाम के साथङ्कसाथ आपूर्ति संकट बढ़ने की चिंताएं मुंहबाएं खड़ी हैं। इससे भारत के वैश्विक व्यापार व निर्यात पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में भारत को निर्यात बढ़ाने व चीन से आयात घटाने की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। देश में उच्च ब्याज दरों और मांग में कमी के कारण निर्यात के मोर्चे पर जूझ रहे छोटे निर्यातकों को कम ब्याज दरों पर ऋण मुहैया कराने व बैंक को इसके बदले सरकार से मुआवजा दिए जाने के लिए लागू की गई इंटरेस्ट इक्वलाइजेशन स्कीम (आईईएस) की जो अवधि 30 जून, 2024 को समाप्त हो रही है, उसे एक वर्ष के लिए और आगे बढ़ाया जाना लाभप्रद होगा। जिस तरह विकसित अर्थव्यवस्था वाले कई देश लम्बे समुद्री आवागमन से पहुंचने वाले दूरदराज के देशों की बजाय अपने तट के आसपास के देशों में कारोबार पर जोर दे रहे हैं, वैसी रणनीति पर भारत को भी ध्यान देना होगा। यद्यपि भारत को दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी सेवा निर्यात में तुलनात्मक रूप से बढ़त हासिल है लेकिन यह बात ध्यान में रखी जानी होगी कि अब सेवा निर्यात के क्षेत्र में भी लगातार प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में भारत से डिजिटल सेवा निर्यात में तेजी से वृद्धि के लिए सेवाओं की गुणवत्ता, दक्षता, उत्कृष्टता तथा सुरक्षा को लेकर और अधिक प्रयास करना होंगे।

साभार: लेखक अर्थशास्त्री हैं

पीओके के हाथ से निकलने के डर से सहमा पाकिस्तान

■ ललित गर्ग

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार की तानाशाही, उदासीनता, उपेक्षा एवं दोगली नीतियों के कारण हालात बेकाबू, अराजक एवं हिंसक हो गये हैं। जीवन निर्वाह की जरूरतों को पूरा न कर पाने से जनता में भारी आक्रोश एवं सरकार के खिलाफ नाराजगी चरम सीमा पर पहुंच गयी है। गेहूं के आटे और बिजली की ऊंची कीमतों के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों एवं सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। पीओके के लोग पाकिस्तान सरकार की नाकामी के खिलाफ सड़कों पर हैं। पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा था। पीओके की आवाज दबाने के लिए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया है एवं आन्दोलनकारियों को दबाने की दमनकारी कोशिशें की जा रही है। पीओके के बगावती तेवर देख पाकिस्तान के हाथ-पांव फूल गये हैं।

दरअसल, अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान के कब्जे के बाद से ही पीओके लगातार सरकार की उपेक्षा, उत्पीडन एवं उदासीनता झेल रहा है। उसकी समस्याओं और विकास पर ध्यान देने की बजाय पाकिस्तान का जोर वहां आतंकियों के ट्रेनिंग कैंप खोलने पर ज्यादा रहा। पाकिस्तान की सरकार ने पीओके का इस्तेमाल भारत में अशांति, आतंक एवं हिंसा फैलाने के लिये किया है, वह पीओके के माध्यम से कश्मीर को हडपने की हर संभव कोशिश करता रहा है, लेकिन वहां के निवासियों की जरूरतों पर कभी ध्यान नहीं किया। यूं तो अभी समूचे पाकिस्तान के हालात बद से बदतर हैं, गरीबी, महंगाई एवं आर्थिक दिवालियापन से घिरा है, दुनियाभर से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिये झोली लिये घूम रहा पाकिस्तान भारत में अशांति एवं आतंक फैलाने से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल, पाकिस्तानी कमरतोड़ महंगाई एवं जनसुविधाओं से जूझ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 3 अरब डॉलर के कर्ज की मंजूरी देते समय कड़ी शर्तों लगाई थीं, जिसके कारण स्थिति और खराब हो गई है। बिजली दरों में बढ़ोतरी से दिक्कतें बढ़ गई हैं और पाकिस्तान में लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। इन्हीं जर्जर एवं जटिल हालातों के बीच पीओके के हालात पाकिस्तान के लिये नया सिर दर्द बन गया है। पाकिस्तान के सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों के मुजफराबाद मार्च को दबाने की जितनी कोशिश कर रहे हैं, विरोध प्रदर्शन उतना ही उग्र हो रहा है। पीओके की अवामी एक्शन कमेटी के मार्च और धरने के आह्वान के बाद बेकाबू होते हालात 1955 के अवज्ञा आंदोलन की यादें ताजा कर रहे हैं, जब पीओके के लोगों और पाकिस्तानी फौज में सीधा टकराव हुआ था। अब फिर पीओके के लोगों के उबलते गुस्से ने पाकिस्तानी हुकूमत के माथे पर बल बढ़ा दिए हैं, समस्या को अनियंत्रित एवं अनिश्चित हालात में पहुंचा दिया है। पीओके के सबसे उत्तरी इलाके गिलगित बाल्टिस्तान के लोग पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग कर रहे हैं। पीओके में आजादी के नारे लगने एवं उसे लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग के बाद शहबाज शरीफ सरकार और पाकिस्तानी सेना दोनों सकते में है। पाकिस्तान के अत्याचार के खिलाफ पीओकी की जनता जिस तरह खड़ी हो गई, उसने पाकिस्तानी नीति निर्माताओं को तनाव में ला दिया है। हजारों की संख्या में कश्मीरी लोग पीओके में जगह-जगह सड़कों पर उतर आए तो पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा है। पीओके में विरोध को दबाने के लिए पाकिस्तानी दमन चक्र शुरू हो गया है। इसमें पाकिस्तान रेंजर्स और फ्रंटियर कोर को भी लगाया गया है। पीओके के सभी 10 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं। भाजपा की मोदी सरकार के मुख्य एजेंडे में पीओके को पाकिस्तान से मुक्त कराकर भारत में

शामिल करना पहले से निश्चित है। पीओके का ताजा संघर्ष एवं आन्दोलन भाजपा की राह को निश्चित ही आसान करेंगी।

भारत के विभाजन के तुरंत बाद पाकिस्तान द्वारा जम्मू और कश्मीर की रियासत पर आक्रमण करने के बाद पीओके बनाया गया था। पाकिस्तानी सेना और आदिवासी हमलावरों के हमले के तहत, महाराजा हरिसिंह ने भारत से सैन्य मदद मांगी, जिसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को पूरी रियासत पर कब्जा करने से रोक दिया। अब, लगभग सात-आठ दशक से अधिक समय के बाद, जबकि पाकिस्तान भारी वित्तीय, राजनीतिक और मानवीय संकट में फंस गया है, जबकि भारत अपने आर्थिक, राजनैतिक और वैज्ञानिक मापदंडों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और अपनी सैन्य शक्ति को सशक्त कर रहा है। जम्मू-कश्मीर में विकास की गंगा बह रही है, वहां के लोग शांति, शिक्षा, व्यापार एवं विकास की दृष्टि से नये कीर्तिमान गढ़ रहे हैं जबकि पीओके कम मानव विकास के साथ आर्थिक प्रगति से वंचित जनजीवन से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। स्वयं को ठगा महसूस करते हुए पीओके की आम जनता अब शांति चाहती है, अमन चाहती है, विकास चाहती है, जोकि पाकिस्तान में रहते हुए असंभव है।

दोगली नीतियों के चलते पीओके के प्राकृतिक संसाधनों का पाकिस्तान खुलकर दोहन करता रहा, जबकि वहां के लोग ईंधन, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा और जरूरी बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझते रहे। पीओके के लोगों ने मई 2023 में बिजली की ऊंची दरों के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था, जो एक साल बाद अब उग्र रूप ले चुका है। आंदोलन से काफी पहले पीओके के लोगों का भारत के प्रति झुकाव समय-समय पर मुखर होता रहा है। पाकिस्तान की राजनीति की दूषित हवाओं ने पीओके की चेतना एवं सोच को आन्दोलनकारी बना दिया है। सत्ता के गलियारों में स्वार्थों की धमाचौकड़ी देखकर वहां के लोग समझ गये कि उनका शोषण एवं उत्पीडन ही हो रहा है। यही कारण है कि पिछले साल पीओके और गिलगित के लोगों ने पाकिस्तान की भेदभाव वाली नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान अपने इलाकों को भारत के साथ मिलाने को ही अपने हित एवं शांतिपूर्ण जीवन के अनुरूप मानने लगे हैं। इसके लिये किये गये तब के प्रदर्शन के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वहां के लोग 'आर-पार जोड़ दो, करगिल को खोल दो' जैसे नारे लगाते नजर आए थे। वहीं, देश भर में गेहूं के आटे की कमी, बलूचिस्तान में उग्रवाद, अफगानिस्तान के साथ सीमा संघर्ष, पाकिस्तानी तालिबान द्वारा हमलों और एक गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के साथ, पीओके में लोगों ने काफी कड़वे अनुभव किये हैं। निर्वासित पीओके नेता, शौकत अली कश्मीरी भी पीओके में लोगों के सामने आने वाली कठिनाइयों को उजागर करने के लिए दिसंबर से विभिन्न देशों में बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में जिनेवा में समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि पाकिस्तान ने 1948 से प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है लेकिन बदले में पीओके में लोगों को बेरोजगारी और निर्वासन मिला। अधिकांश लोगों को चिकित्सा सुविधा नहीं होने के कारण बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।

पीओके के लोग चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का भी विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि गलियारे की आड़ में उनकी जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए किया जाएगा और भारत के जवाबी हमले उन्हें झेलने पड़ेंगे। चूकि भारत अब पहले वाला भारत नहीं रहा, उसकी सैन्य ताकत का मुकाबला करना पाकिस्तान के लिये संभव नहीं रहा है, इसलिये बिना मतलब भारत के आक्रमण को झेलने से स्वयं को बचाने के लिये पीओके के लोग भारत में विलय को ही उचित मानते हैं। पीओके में विरोध प्रदर्शन के दौरान जिस तरह भारतीय तिरंगा लहराया जा रहा है और भारत में विलय के स्वर उठ रहे हैं, उससे भविष्य में इस विवादित क्षेत्र पर निर्णायक पटकथा लिखे जाने के आसार नजर आ रहे हैं। भारत को पीओके के घटनाक्रम पर नजर बनाए रखने की जरूरत है, ताकि इससे हमारे सुरक्षा हितों पर प्रतिकूल असर न पड़े एवं भविष्य की नीतियों का निर्धारण करने में सुविधा रहे।

साभार: लेखक के अपने विचार हैं।

कलेक्टर ने गेंहू उपार्जन एवं परिवहन में तेजी लाने के निर्देश दिए

किसानों को 317.80 करोड़ की राशि का भुगतान सुनिश्चित किया गया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में सोमवार को गेहूं उपार्जन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों ने बताया कि जिले में 178 उपार्जन केन्द्र स्थापित किए गए थे जिनमें सभी 178 उपार्जन केन्द्र संचालित है। गेहूँ उपार्जन का कार्य आगामी 20 मई तक किया जाएगा। कलेक्टर सोनिया मीना ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे उपार्जन कार्य में तेजी लाएं साथ ही तेज गति से गेहूं परिवहन भी सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि उपार्जन केन्द्रों में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पडे। उनके लिए उपार्जन केन्द्रों में पेयजल एवं छाया की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए।

जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि ई उपार्जन पोर्टल पर कुल 178 उपार्जन केन्द्र सक्रिय रूप से उपार्जन का कार्य कर रहे हैं, इनमें जेव्हीएस गोदाम परिसर स्तरीय 109, शासकीय गोदाम स्तरीय 20, स्टील साइलो स्तरीय 9 एवं समिति स्तरीय कुल 23 उपार्जन केन्द्र तथा मंडी/उपमण्डी स्तरीय 17 केन्द्र संचालित है। बताया गया है कि उपार्जन केन्द्रों पर कुल 33167 किसानों द्वारा स्लॉट बुक किए गए हैं। जिनमें अब तक 21 हजार 204 किसानों ने अपने गेहूं का विक्रय कर चुके हैं। इन किसानों से कुल 2 लाख 37 हजार 387 मे.टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। उपार्जित गेहूं का परिवहन सतत रूप से किया जा रहा है। अब तक 2 लाख 17 हजार 386 मे.टन गेहूँ का परिवहन किया गया है। 13 हजार 865 में. टन गेंहू परिवहन हेतु शेष है। इसके साथ ही किसानों को 317.80 करोड़ रुपए का भुगतान सफलतापूर्वक उनके बैंक खातों में किया जा चुका है। आज दिनांक तक एफसीआई को 39 हजार 43 मे.टन गेहूं का परिदान किया जा चुका है। साइलो भंडारण में 47 हजार 550 मे.टन उपार्जित गेहूं का भंडारण किया जा चुका है। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को गेहूँ उपार्जन का कार्य सुव्यवस्थित रूप से करने के निर्देश दिए।

आगामी महिनों में रिहा होने वाले बंदियो को रोजगारोन्मुखी ट्रेनिंग दिलाई जाएगी

30 जून तक 100 बंदियों को प्रशिक्षण दिलाना सुनिश्चित किया जाए: कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।
जेल में बंद वे बंदी जो आगामी माहो में रिहा होने वाले हैं उन्हें रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण दिलाया जाए, साथ ही 30 जून तक लगभग 100 बंदियो को ट्रेनिंग देकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जाए। जब बंदी रिहा होकर घर जाएंगे तब उनके पास एक हुनर होगा। अपने हुनर के बल पर बंदी छोटा-मोटा स्वरोजगार एवं व्यवसाय कर सकेंगे। उक्त निर्देश कलेक्टर सोनिया मीना ने आज जिला जेल द्वारा आयोजित बैठक में दिए। बैठक में जेल अधीक्षक, प्रबंधक आर सिटी रश्मि गुप्ता, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग कैलाश माल, सहायक संचालक अन्य पिछड़ा वर्ग अनुराधा सकवार, एलडीएम, सहित संबंधित अधिकारी गण मौजूद थे।कलेक्टर ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिए की बंदियो को सिलाई, कृषि, इलेक्ट्रीशियन डेरी, फाइल फोल्डर, पोल्ट्री, फर्नीचर रिपेयरिंग, कारपेंटर, टेक्नीशियन जैसे रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण दिया जाना सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण प्राप्त बंदी जब बाहर जाएंगे तब जेल प्रशासन के पास यह गर्व का विषय होगा कि उन्होंने बंदियों को हुनरमंद बनाया है।

जेल अधीक्षक ने बताया कि वर्तमान में जिले के 41 बंदियो को विभिन्न रोजगार उन्मुखी प्रशिक्षण दिया गया है। प्रारंभिक चरण में 450 बंदियो को चिन्हित किया गया है जिन्हें आगामी दिनों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। पुरुष बंदियो के अलावा महिला बंदियो को भी स्वरोजगार प्रशिक्षण के लिए चिन्हित किया जा रहा है। बताया गया कि डेयरी का प्रशिक्षण 10 दिन का, सिलाई का प्रशिक्षण 30 दिन एवं इलेक्ट्रीशियन का प्रशिक्षण 30 दिन चलता है। कलेक्टर ने निर्देश दिए की साल के अंत तक लगभग 500 बंदियो को विभिन्न रोजगार उन्मुखी प्रशिक्षण दिया लाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने कहा कि जो बंदी आगामी माह में रिहा होने वाले हैं उन्हें ट्रेनिंग दें, जब वह रिहा होकर समाज के बीच जाएंगे तो समाज को भी एक मैसेज मिलेगा कि बंदियो के पास काम करने का स्केल है। कलेक्टर ने स्वरोजगार योजनाएं संचालित करने वाले विभागों को निर्देश दिए की वे बंदियो के रिहा होने के बाद उन्हे स्वरोजगार योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित करें। कलेक्टर ने कहा कि आगामी 6 महीने में जो बंदी रिहा हो रहे हैं उन सबका प्रशिक्षण आरसेटी के माध्यम से कराया जाए। ट्रेनिंग प्राप्त बंदियो का डाटा भी दिया जाए।

कलेक्टर ने निर्देश दिया कि आगामी दिनों में 100 बंदी पूरी तरह ट्रेंड हो जाए। उनके लोन के प्रकरण एलडीएम स्वरोजगार हेतु बैंक से स्वीकृत करें और उन्हें प्राथमिकता से लोन दिलाना सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने कहा कि इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दिया जाए।

बताया गया कि अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के लिए संचालित योजनाओं में 1 लाख से 1 करोड़ रुपए तक की योजनाएं हैं। वहीं उधम क्रांति स्वरोजगार योजना आदि में 10 हजार से लेकर 5 लाख तक का सब्सिडी सहित लोन दिया जाता है। बताया गया कि मछली पालन विभाग एवं पशुपालन विभाग में भी स्वरोजगार के लिए हितग्राहियों को ऋण दिया जाता है। जेल अधीक्षक ने बताया कि जेल में बंद कुछ बंदियो के पास आधार कार्ड नहीं है। इस बात को तत्काल संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत को निर्देश दिए कि वह जेल में आधार कार्ड बनाने के लिए एक शिविर का आयोजन करें और जिले के जिन बंदियो के पास आधार कार्ड नहीं है उनके मतदाता परिचय पत्र एवं अन्य डॉक्यूमेंट के आधार पर प्राथमिकता से आधार कार्ड बनाएं। कलेक्टर ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिए की जेल में बंद महिला बंदियो को जेल के अंदर महिलाओं के बीच महिला स्व सहायता समूह का गठन करें। समूह को लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने जेल अधीक्षक से कहा कि वे एक सप्ताह में यह बताना सुनिश्चित करेंगे कि कितने बंदी रिहा हुए और कितने बंदियों की ट्रेनिंग कराई गई।

नर्मदा कॉलेज में मानक ब्यूरो क्लब के तत्वावधान में निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के मानक क्लब द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो के तत्वावधान में सड़क यातायात सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली विषय पर जागरुकता संबंधी निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इस अवसर पर विद्यार्थीओं ने प्रतियोगिता में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया जिसमें प्रथम राशी मौर्य, दूतीय अभय अमोले , तृतीय स्वाति परिहार , चतुर्थ हेमंत कीर एवं अंशिका शर्मा ने स्थान प्राप्त किया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में डा. रश्मि तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं के मन में दूरदर्शी सोच के साथ गुणवत्ता और मानकों को बढ़ावा देती है बल्कि युवा पीढ़ी को जिम्मेदार और गुणवत्ता के प्रति जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करती हैं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डा. ओ एन चौबे ने बताया कि मानक क्लब विद्यार्थीओं में शिक्षा के साथ साथ गुणवत्ता मानकों और वैज्ञानिक स्वभाव पैदा करने का काम करता है साथ ही किस तरह से बाजार में उपलब्ध सामग्री की गुणवत्ता के जानकार प्राप्त की जा सकती हैं।छात्र अभय अमोले ने फीडबैक देते हुए बताया कि किस तरह प्रत्येक नागरिक सड़क यातायात नियमों का पालन करके स्वयं एवं दूसरों को जागरूक करके जीवन को बचाया जा सकता है।इस अवसर पर कार्यक्रम में डॉ रवि उपाध्याय, डॉ बी एस आर्य, डॉ राजेश दीवान एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ महेश मानकर एवं दीपा पालीवाल , मुकेश द्विवेदी एवं अन्य उपस्थित रहे।

नशे में धुत्त पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट, आरोपी गिरफ्तार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सोमवार को सुबह पारस पीपल वाली गली में एक महिला की लाश मिली थी मामला हत्या का प्रतीत हो रहा था एसपी,एसपी तथा एसडीओपी उमेश तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी संदीप कुमार पवार को सूचना प्राप्त हुई कि एक महिला मृत्यु हो गई है। इसके बाद वहां पुलिस बल के साथ घटना स्थल पारस पीपल गली,रावजीपथ , पहुँचा जहाँ पर निमेश सिंहल के मकान के नीचे बिजली के खंभे के पास महिला का शव पडा हुआ था। जिसकी पहचान ममता बागडी पति रूप सिंह धाकड 45 साल निवासी पारस पीपल गली, रावजीपथ, के रूप में हुई । महिला की मृत्यु के सम्बंध में देहाती नालसी लेख कर मौके की कार्यवाही की गई। मृतिका के घर का दरवाजा का ताला खोलने के सम्बध में पंचनामा तैयार कर घर में प्रवेश कर अन्दर का निरीक्षण किया।

मौके पर जमीन पर रक्त था। मृतिका का शव पीएम कराने हेतु भिजवाया गया। घटना के सम्बंध में लोगो से पूछताछ कर कथन लिया साक्षी सौदान सिंह अहिरवार पिता नीमचंद अहिरवार उम्र 43 वर्ष निवासी पंचकुईया मोहल्ला सिरोंज वार्ड 17 ने अपने कथन में बताया कि रूप सिंह का ममता से विवाद हुआ था । मर्ग सदर की जाँच में आये तथ्यों के आधार पर, साक्षी सौदान सिंह के कथन एवं पीएम रिपोर्ट में उल्लेखित मृत्यू के कारण के आधार पर मृतिका ममता बागडी पति रूप सिंह धाकड 45 वर्ष निवासी पारस पीपल गली रावजीपथ सिरोंज की हत्या उसके पति रूप सिंह धाकड द्वारा की जाना पाई गई है। आरोपी रूप सिंह धाकड पर धारा 302 भादवि का पंजीबद्ध किया गया । आरोपी रूप सिंह धाकड पिता मुंशीलाल धाकड उम्र 50 साल निवासी ग्राम शेरखेडा थाना मुरवास हाल पारस पीपल गली , रावजीपथ को गिरफ्तार किया गया है । आरोपी नें घटना को अंजाम देना स्वीकार किया रात में दोनों में विवाद होने पर उसने अपनी पत्नि को लकड़ी से मारा जिससे उसकी मृत्यु हो गई । उसने मृतिका को घसीटकर घर के बाहर खंभे के पास रख दिया और घर का ताला लगाकर चला गया । इनके विवाद के मामले पहले भी कई बार सामने आ चुके हैं। नशे धुत्त होकर उसके बाद पहले भी कई बार हो चुका है रात में भी नशे में थे। उक्त घटना की जानकारी एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने दी।

मिलावट के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार एवं प्राप्त शिकायत के आधार पर आज खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने विभिन्न परिसरों का निरीक्षण किया। श्री खाटू श्याम किराना एवं जनरल स्टोर मालवीयगंज इटारसी पर कई प्रकार की अनियमितताएं पाई गई। बेस्ट बिफोर निकली हुई खाद्य सामग्री का विक्रय बिना वैध पंजीयन के होना पाया गया। उक्त अनियमितताओं के चलते इस दुकान को बंद कराया गया और खाद्य सुरक्षा एवम मानक अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही प्रस्तावित की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियेवार ने बताया कि इसके अतिरिक्त बसंत बेकरी फरूट मार्केट इटारसी पर शिकायत के आधार पर पनीर का नमूना जांच हेतु लिया गया। नमूना जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा जा रहा है जांच रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।

एमआरपी से अधिक रेट पर मदिरा विक्रय करने पर पांच लाइसेंसी कंपोजिट मदिरा दुकान एक दिन के लिए निलंबित व अर्थदंडित

विदिशा कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने जिले में एमआरपी मूल्य से अधिक राशि में मदिरा विक्रय करने पर विदिशा जिले की पांच लाइसेंसी कंपोजिट मदिरा दुकानों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए उक्त सभी पांचो दुकानों को एक दिवस 14 मई 2024 को निलंबित करने तथा हरेक पर 10-10 हजार की राशि से अर्थ दंडित करने हेतु आदेशित किया है। विदिशा जिले की जिन पांच मदिरा लाइसेंसी कंपोजिट मदिरा दुकानों के विरुद्ध निलंबन तथा अर्थदंड की कार्यवाही की गई है। उनमें कंपोजिट मदिरा दुकान बरेठ, कंपोजिट मदिरा दुकान पीपलखेड़ा, कंपोजिट मदिरा दुकान भालबामौरा, कंपोजिट मदिरा दुकान हैदरगढ़ तथा कंपोजिट मदिरा दुकान सिरोंज शामिल हैं। कलेक्टर के आदेश का हवाला देते हुए जिला आबकारी अधिकारी श्री विनय रंगशाही ने बताया कि सभी पांचो कंपोजिट मदिरा दुकानों में एमआरपी रेट से अधिक राशि में मदिरा विक्रय होने की प्राप्त शिकायतों के आधार पर आबकारी विभाग के द्वारा आकस्मिक निरीक्षण के दौरान त्रुटियां पाई गई थी।

मेट्रो एंकर | सीएम हेल्पलाइन से संबंधित विशेष बैठक शनिवार 18 मई को आयोजित होगी

अधिकारी, कर्मचारी अब अपने विभागीय मूल कार्यो में जुटेंगे, सीएम हेल्पलाइन आवेदनों के निराकरण पर दिया जोर

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर ने सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा के पहले लोकसभा निर्वाचन के कार्यो में प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगप्रद करने वालो में मीडियाकर्मियों के साथ-साथ सभी विभागो के जिलाधिकारियों, कर्मचारियों व मतदानकर्मियों एवं सुरक्षा के दायित्वों का निर्वहन करने वालो के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने कहा कि सभी ने टीमवर्क की भावना से निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्यो में कहीं भी जरा सी भी त्रुटि नहीं होने दी, जो प्रशंसनीय है।

कलेक्टेउट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागो के जिलाधिकारियों से कहा कि जिस प्रकार निर्वाचन कार्यो का संपादन समय सीमा में कर उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। ठीक वैसे ही समस्यायुक्त आवेदनों के निराकरण पर कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागो के अधिकारी, कर्मचारी अब अपने विभागीय मूल कार्यो के निष्पादनो में विशेष ध्यान देना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के निराकरण मामलो में आज तक की स्थिति में विदिशा पांचवे स्थान पर है जबकि पूर्व माह में जारी प्रदेश स्तरीय रैकिंग सूची में तीसरे स्थान पर था।

आगामी एक सप्ताह में विशेष निराकरण पर जोर देते हुए उन्होंने सभी एसडीएमों से कहा कि वे अनुविभाग स्तरो पर इस प्रकार की बैठके आयोजित करें जिससे सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य समस्यायुक्त आवेदनों के निराकरणो में तेजी आए।

कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन से संबंधित विशेष बैठक शनिवार 18 मई को आयोजित की जाएगी इस बैठक में उन विभागो के जिलाधिकारियों को शामिल होने की आवश्यकता नहीं है जो ए ग्रेड सूची में शामिल है। कलेक्टर ने कहा कि एक सप्ताह का अवसर है विभाग चाहे तो अपनी ग्रेडिंग सूची में सुधार कर ए श्रेणी में शामिल होकर बैठक से मुक्त हो सकते है। वहीं ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल की समस्याएं प्राप्ति होने पर उनके त्वरित निराकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश संबंधित विभागो के अधिकारियों को दिए है। उन्होंने कहा कि बिगडे हेण्डपंपो की शिकायतो का समाधान एक दिन में ही कराया जाना सुनिश्चित हो। विद्युत आपूर्ति से कोई भी नलजल योजना प्रभावित ना हो के समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जाए। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को भी ततसंबंध में आवश्यक कार्यवाहियां पूर्व से ही पूरी कर ली जाए पर जोर दिया है। कलेक्टर ने जिले में क्रियान्वित पीएम जनमन योजना के तहत क्रियान्वित हरेक बिन्दुओं की पृथक-पृथक समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागो के साथ-साथ समस्त एसडीएमो को निर्देशिता किया है कि पीएम जनमन योजना अंतर्गत लक्षित परिवारो के सभी सदस्यों को शत प्रतिशत लाभंवित किया जाना है फिर क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की कोताही ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर श्री वैद्य ने पीएम जनमन योजना के तहत हितग्राहीमूलक योजनाओं के लिए आवश्यक समग्र आईडी, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पात्रता पर्ची, उज्जवला योजना, जनधन खाता, स्व-सहायता समूह से लाभांवित पीएम विश्वकर्मा योजना से संबंधित हितग्राहियों को लाभांवित होने में किसी भी प्रकार के कागजी दस्तावेंजो से विलम्ब ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए।

सीबीएसई हायर सेकेंडरी एवं हाई स्कूल परीक्षा में सिरोंज के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

तहसील के विद्यार्थियों ने जिस तरह एमपी बोर्ड परीक्षा उत्कृष्ट स्थान पाकर परचम लहराया था उसी तरह सीबीएसई में भी विद्यार्थी पीछे नहीं रहे। नगर के विद्यार्थियों ने इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए, हायर सेकेण्डरी में छात्र सोमिल अग्रवाल ने 94.4 प्रतिशत अंक अर्जित कर कामर्स संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त किया तो वहीं छात्रा प्रतिष्ठा साहू ने 93 प्रतिशत अंक के साथ कामर्स संकाय में द्वितीय स्थान पर रही, इसी प्रकार विज्ञान संकाय में छात्रा सिद्धी मित्तल ने 91.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वही हाई स्कूल परीक्षा में छात्र अंश शर्मा द्वारा 95.4 प्रतिशत अंक तथा कृष्णम नेमा ने 95.4 प्रतिशत अर्जित कर नगर में संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। तथा छात्रा निर्मिति साहू ने 94.6 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान पर रही। वही बीईओ उमेश कुमार सोनी ने सभी विद्यार्थियों के लिए उज्जवल भविष्य की कामना की।

सामुदायिक शौचालय तो बना लेकिन नहीं खुले ताले

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

ग्राम पंचायत पथरिया द्वारा 3 लाख 44 हजार रुपए की लागत सार्वजनिक शौचालय तो बनाया गया है लेकिन बनने के बाद से अभी तक उसके ताले तक नहीं खुले हैं। जिससे प्रतीत होता है कि शासन की योजनाओं को लेकर पंचायत में किस हद तक भ्रष्टाचार किया जा रहा है। पथरिया के ग्रामीणों का आरोप है कि शौचालय तो कई दिनों पूर्व बन गया था लेकिन आज तक उसके ताले तक नहीं खुल सके हैं। जिसकी वजह से ग्रामीण इसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकार की ऐसी सैकड़ो योजनाएं जिनका लाभ पथरिया के ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। यह सभी योजनाएं सिर्फ कागजों में ही संचालित हो रही हैं। पंचायत का सार्वजनिक शौचालय तो एक बानगी मात्र है, ऐसी अनेकों योजनाओं में भ्रष्टाचार हुआ है। यदि नियम अनुसार जांच हुई तो बड़े स्तर पर घोटाला सामने आ सकता है।

पुलिस की चालानी कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

यातायात और पुलिस प्रशासन के द्वारा संयुक्त रूप से नगर में वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस वजह से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया सोमवार को भी वासौदा नाका लटेरी नाका सहित शहर के कई क्षेत्रों में रितेश वाघेला यातायात प्रभारी द्वारा पुलिस बल के साथ संयुक्त चौकिंग अभियान चलाकर 31 वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 12900 रुपए का जुर्माना किया गया। कार्रवाई के दौरान मुख्य रूप से सीट बेल्ट , हेलमेट , बिना नंबर, तीन सवारी वाले वाहन चालकों, नाबालिग वाहन चालको , साइलेंसर वाले मोटरसाइकिल को चेक किया गया एवं नियम विरुद्ध पाए जाने पर कार्यवाही की गई एवं सभी चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर हिदायत दी गई। चेकिंग की भनक लगते ही वाहन में भी हड़कंप मच गया कार्रवाई से बचने के लिए रास्ता बदलकर जाते हुए नजर आए।

पथरिया पंचायत सचिव पर, कूप की राशि निकलवाने के बदले में 10000 की शिकायत को बीता एक महीना

कार्रवाई के नाम पर शून्य बटा सन्नाटा, अब सीईओ ने बनाई जांच कमेटी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के बदले में अधिकांश ग्राम पंचायत में खुलेआम भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है। मजदूरों से होने वाला काम भी मशीनों से हो रहा है। हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ देने के बदले में खुलेआम रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायतों के बाद भी जिम्मेदारियां के द्वारा कार्रवाई नहीं की जा रही इस वजह से अधिकांश पंचायत सचिवों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। पथरिया पंचायत के सचिव ने तो जनपद पंचायत सीईओ के नोटिस के बाद भी कई दिनों तक जवाब नहीं दिया था फिर भी अधिकारी किसके दबाव में कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। जबकि पंचायत सचिव पर खुलेआम हितग्राहियों से पैसों मांगने के आरोप लगाया जा रहे हैं उनकी जांच भी नहीं की गई इससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कहीं ना कहीं पंचायत में मिली भागत करके पंचायत सचिव के द्वारा भ्रष्टाचार के खेल को अंजाम दिया जा रहा है। इसमें कुछ अधिकारी भी सम्मिलित है तभी तो 1 महीने में भी जिम्मेदार अधिकारी जांच भी नहीं कर पाए हैं।

ग्राम पंचायत पथरिया के सचिव अनंत सिंह यादव पर कूप की राशि निकलवाने से लेकर लाडली बहन योजना का लाभ दिलाने के साथ हितग्राही मूलक योजनाओं के संबंध में सेवा के बाद ही काम करने के आरोप लग रहे हैं इसको लेकर शिकायत किए हुए एक महीने से अधिक का समय बीत गया है पर पंचायत सचिव पर जिम्मेदारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं ।

कई दिनों तक तो पंचायत सचिव ने जनपद सीईओ के नोटिस के बाद भी जवाब देना उचित नहीं समझा अब जनपद सीईओ वंदना शर्मा के द्वारा कार्रवाई करने के लिए ग्राम पंचायत में टीम भेजकर जांच कर कर कार्रवाई करने की बात की जा रही है। वैसे यहां इस मामले में कार्रवाई एक महीना पहले होनी थी वह कार्रवाई आज तक नहीं हो पाई है। पिछले महीने एसडीएम हर्षल चौधरी से ग्राम पंचायत के हितग्राही गौरव रघुवंशी ने स्वयं के खेत में कुआं कपिलधारा योजना के तहत स्वीकृत करवरकर खुदवाया है उसकी राशि निकलवाने के बदले में पंचायत सचिव आनंद सिंह यादव पर 10000 मांगने की शिकायत एसडीएम से शपथ पत्र के साथ की हुई थी उसको भी एक महीने का समय बीतने वाला है। जबकि एसडीएम ने जनपद सीईओ को जांच करके कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे । लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई इसी तरह ग्राम पंचायत की महिलाओं ने भी एसडीएम से लाडली बहन योजना से वंचित रखने के आरोप पंचायत सचिव पर लगाए थे साथ यहां पर मजदूरों से होने वाले काम को भी मशीनों से करवाया जा रहा है। इसकी शिकायत भी सामने आ चुकी है फिर भी कार्रवाई नहीं हो रही है। वहीं देखना है कि पंचायत सचिव पर जिम्मेदारी कार्रवाई कर पाएंगे या फिर पंचायत सचिव का अधिकारी कुछ नहीं कर पाएंगे जिस तरह की बातें हो रही है। कई अन्य पंचायत में इसी तरह हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के बदले में खुलेआम पैसों की मांग हो रही है। मनरेगा योजना के अंतर्गत होने वाला काम भी ज्यादातर पंचायत में मशीनों से करवाया जा रहा है। शिकायत है आने के बाद भी अधिकारी आंखें बंद करके तमाशा देख रहे हैं या फिर इनकी सहमति से ही मजदूरों का काम मशीनों से हो रहा है।

इनका कहना है

पंचायत सचिव ने जो नोट जवाब दिया है हम उसे संतुष्ट नहीं है टीम बनाकर पंचायत में भेज कर जांच करवा रहे हैं। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी यदि हितग्राहियों से शासन की योजना का लाभ देने के बदले में पैसे मांगा जा रहें या लिए जा रहे हैं तो गलत है।

***वंदना शर्मा**, जनपद सीईओ*

ग्राम पंचायत देवपुर की दुरंग बस्ती में लगा हैंडपंप, आदिवासियों के खिले चेहरे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

क्षेत्र के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बाबा विश्वनाथ धाम की ग्राम पंचायत देवपुर ग्राम दुरंग बस्ती में पेयजल की सुविधा नहीं होने के कारण यहां के 20 सहरिया आदिवासी परिवार कई वर्षों से पीने शुद्ध पानी के लिए परेशान थे। इस गांव में शासन के दौरान नवीन हेड पंप लगवा कर पानी की सुविधा उपलब्ध करवाई तो ग्राम के सहरिया परिवार जनों के चेहरे खिल गए हैं। वहीं बस्ती के आसपास खेतों में या पठार पर गड्ढे कर गंदा मटमेला पानी पीने को मजबूर थे। इसको लेकर दुरंग बस्ती के लोग स्थानीय स्तर से लेकर जिला स्तर तक सभी से शिकायत कर चुके थे। लेकिन पानी की उचित व्यवस्था नहीं होने से यह लोग काफी परेशान थे, अधिकारियों ने इन सहरिया आदिवासी परिवारों के लिए जल की उत्तम व्यवस्था करने के लिए सोमवार को गांव में बोरिंग मशीन से बोर करवा कर हेडपंप लगवाकर व्यवस्था कराई। जैसे ही गांव में पहुंची बोरिंग गाड़ी देखकर बस्ती के लोगों में काफी उत्साह और उमंग दिखाई दी। लोगों का कहना है कि हम स्थानीय स्तर से लेकर जिले तक जल की समस्या को लेकर शिकायत कर चुके थे।, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही थी आज प्रशासन ने हमारे गांव में हेडपंप की व्यवस्था कराई है।

जन मन योजना में किए गए कार्यों को लेकर प्रशासन की खुली पोल

विशेष अनुसूचित जातियों में शामिल सहरिया आदिवासियों के संरक्षण के लिए शुरू किया गया जन मन मिशन भी जिले में सहरिया आदिवासियों की बदहाली को दूर नहीं कर पाया है। आज भी दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले यह आदिवासी कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। जबकि प्रशासन का कहना है की जन मन योजना के तहत आदिवासियों के लिए प्राथमिकता से कार्य किया गया है। लेकिन यदि जमीन स्तर पर देखें तो स्थिति आज भी वद से बत्तर है। कुछ गावों को छोड़कर बाकी जगह आज भी लोग काफी परेशान हैं। जानकारी के अनुसार जिले में जन मन मिशन के तहत 475 गांवों में रहने वाले 50 हजार से अधिक सहरिया आदिवासियों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के दावे किए जा रहे है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में इन दावों की असलियत उजागर हो रही है।

केमिस्ट एसोसिएशन के मिलन समारोह में सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने के लिए कई प्रस्ताव हुए पारित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा लटेरी-आरोन बायपास स्थित फार्म हाऊस पर केमिस्ट मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में बैठक की अध्यक्षता प्रकाश लोकवाणी एंव ओम प्रकाश बलेजा द्वारा की गई। वही ऐसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद राशिद खांन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सभी सदस्य अपने-अपने प्रतिष्ठानों को साफ-सुन्दर और स्वच्छ बनाकर रखें। साथ ही शासन के जो भी नियम है उनका पालन भी करें।

औषधि विभाग की गाइड लाइन के अनुसार लेखा जोखा एंव अन्य कार्या को समय सीमा में पूरा करें। वही उन्होने कहा कि जल्द ही शहर में एसोसिएशन द्वारा फिजियोथैरेपी की मशीन लगाकर नाम मात्र के शुल्क पर शहरवासियो को सुविधा देने की बात कही। वही बैठक में एसोसिएशन वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव जैन सैनानी ने कहा कि ऐसोसिएशन को अब जनहित के कार्यो को हाथ में लेकर सामाजिक क्षेत्र में अपना स्थान बनाना पडेंगा। उन्होने ऐसोसिएशन की बैठक में अपनी बात रखते हुए कहा कि ऐसोसिएशन द्वारा भीषण गर्मी में ठण्डे पानी के प्याऊ नगर के चौक-चौराहो पर लगवाना चाहिए जिससे कि ग्रामीण क्षेत्रो से बाजारो में खरीदी करने आने वाले नागरिको को इस भीषण गर्मी में ठण्डा व शुद्ध पानी पीने का मिल सके। साथ ही उन्होने गरीबो की मदद करने की बात कही। एसोसिएशन के सचिव सुनील शर्मा ने फूड लाइसेंस की अनिवार्यता को बताया व ड्रग लाइसेंस की समय अवधि की जानकारी देते हुए कहा कि सभी सदस्य अपने-अपने फूड व ड्रग लाइसेंसो को समय पर चेक करे और जिनके लाइसेंसो की अवधि समाप्त हो गई है। वह तत्काल अपने लाइसेंसो को रिनू कराए। साथ ही ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा समय समय पर जो भी निर्देश दिए जाते है वह निर्देश हमें मिलते है उन निर्देशो को गंभीरता से लेते हुए उन्हें पूरा करना चाहिए। आगामी दिनों में शीघ्र ही ऐसोसिएशन की तरफ से एक सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। जिसमें जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियो के अलावा स्थानीय व सीनियर केमिस्टों का भी सम्मान होगा। उक्त कार्यक्रम की रूपरेखा शीघ्र तैयार कर आगामी दिनों में आचार संहिता समाप्त होने के बाद एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर कार्यक्रम ऐसोसिएशन के सरंक्षक वसीम उल्लाह खान, अभिषेक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रविकेश नेमा, उपाध्यक्ष अनस अहसन,सह सचिव आर.डी शर्मा, मोइज अली,कार्यवाहक मंत्री ऋषभ जैन,देवेन्द्र रघुवंशी,नरेन्द्र जैन,रूपेश जैन आदि मौजूद रहें।

मेट्रो एंकर | **पूर्व में एसडीओपी की सख्ती से हुआ था सट्टा बंद**

अमर बेल की तरह फैल रहा है सट्टे का कारोबार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

TURN-1				49	29
81	04	34	78	27	61
54	03	57	97	18	41
81	80	96	04	42	07
06	87	84	33	12	24
83	63	66	34	31	81
63	00	31	04	70	88
53	21	66	78	66	56
21	18	50	20	23	67
17	98	36	77	47	93
00	97	56	15	05	56
53	10	53	29	21	86
94	42	52	65	98	40

TURN-2				31	35
15	95	97	74	19	88
94	20	95	58	47	79
34	14	57	67	97	50
81	19	57	53	34	96
84	87	30	12	19	59
81	45	48	61	60	57
80	86	76	46	58	48
84	98	oo	49	66	84
62	14	45	24	05	82
59	18	99	xx	65	78
22	o8	96	31	75	10
53	22	96	56	24	32

नगर सिरोंज जों अपनी अदब और भाईचारे के लिए जानी जाती है अब यहां सट्टे का कुछ ऐसा जोर चल रहा है कि हर कोई तेजी से अमीर बनने की चाह में इस और आकर्षित हो रहा है । नगर मे सट्टे के इस कारोबार में जहां आम और गरीब लोग पिसते चले आ रहे है , वही सट्टा चलाने वाले कारोबारियों ने कई घर उजाडकर रख दिये है । ये कारोबारी राजनेतिक और सामाजिक संगठनों से भी जुडे हुए है इस कारण इनके खिलाफ कार्यवाही नही हो पाती है । वही रावजीपथ के नीचे चौराहे पर चांदनी चौक में चाय की होटलों पर ढाल बाजार हाजीपुर में पाखर के नीचे पुराने बसस्टेंड पर कुऐं के पास में कोर्ट गेट के अन्दर सट्टे के एजेट बैठे हुए है और सट्टे का बाजार गर्म है और सट्टा आखिर किसकी षह पर चल रहा है । सट्टे का कारोबार गरीबो की दिन भर की कमाई जिनसे वों अपने परिवार का पालन पोषण कर सकते है उनको सट्टे की लत लगाकर मेहनत की कमाई पर कुछ चंद खाईबाजों की जेबो मे पैसे जा रहे है ।

कई घर उजाड दियें इन सटोरियों ने - नगर मे सट्टे का ये कारोबार इतना फैल चुका है कि इससे सैकडो घर बर्बाद हो चुके है और कई लोग तों कर्ज मे डूब गये है । इस सट्टे के कारोबार के खामियाजे की भरपाई समाज की नई पीढी को अप्रत्यक्ष रूप से चुकानी पड रही है । कुल मिलाकर सट्टे की चमक दमक ने कई घरो के उजाले छिन लिये है । हर समाज से इनके खिलाफ आवाज बुलंद होनी चाहिए ताकि इन सटोरियों के मकड जाल में कोई युवा पीढी न फंस सके ।

तेजी के साथ फल ,फूल रहा है सट्टे का कारोबार - सट्टेबाजी के फलते फूलते इस धंधे की जब पडताल की गई तों पता चला कि गणित पर्ची सट्टा लगाने वाले लोग रात भर इस पर अपनी अपनी तरह की गणित लगाते है और सुबह होती ही उसे के अनुसार नंबर लगाते है । सट्टेबाजी मे अपनी किस्मत को अजमाने वाले कुछ लोग तों अपने लकी नंबर या फिर सुबह सबसे पहले उनकी ऑखो के सामने जो नंबर आता है उसी नंबर पर पैसे लगाते है । आज कल तों सटोरियों पर कार्यवाही न हो और पर्ची भी नही लिखते कुछ ऐजेट ही पर्ची का काम करते है कुछ ऐजेट तों अपने मोबाइल नंबर को बाट रखा है और बोलते है कि वाट्सअप पर मेसेज कर दों जो नंबर लगाना है और पैसे भी फोन पें पर कर दों जिससे पुलिस की कार्यवाही से बचा जा सके । सटोरियों ने नये-नये तरीके अपना रखे है जिससे उन पर कोई कार्यवाही न हो ।

आईपीएल के सस्पेंस में बारिश का खलल !

आईपीएल 2024 में आधिकारिक तौर पर टॉप 4 की दौड़ से बाहर होने वाली टीमों में एक नाम और जुड़ गया है।2022 की आईपीएल विजेता गुजरात टाइटंस की टीम के लिए इस सीजन का सफर बारिस के खलल से खत्म हो गया।कोलकाता के खिलाफ उसके घर यानी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने वाले मैच को बारिश की वजह से नहीं खेला जा सका।मुकाबले में टॉस तक नहीं कराया जा सका और मैच को रद्द करार दिया गया।आईपीएल 2024 में भी हमेशा की तरह दिलचस्प सस्पेंस बरकरार है। लीग चरण के 70 में से 63 मैच हो जाने के बाद भी जहां मात्र 1 टीम ने प्लेऑफ में बनायी है वहीं दो पूर्व चैंपियन टीमों के साथ पंजाब टीम की आखिरी 4 की दौ? खत्म हो गयी।मतलब साफ है कि प्लेऑफ की तीन मैजिक चेयर की रेस 6 टीमों में अभी भी जारी रहने

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

वाली है।आज दिल्ली और लखनऊ के बीच होने वाला 64 वां मुकाबले में अगर जीत दिल्ली की होती है तो फिर ये दोनों टीमें इस दौड़ में बनी रहेंगी, लेकिन अगर दिल्ली मुकाबला हार गयी तो फिर आज बाहर होने वाली टीमों में पंत की टीम का नाम दर्ज हो जाएगा।दरअसल लीग चरण के मुकाबलों में दिल्ली का यह आखिरी मैच है।आज होने वाली इस अहम भि?ंत के बाद दिल्ली को छो?कर लगभग सभी टीमों के नाम 13 मुकाबले दर्ज हो जाएंगे।हालांकि राजस्थान पंजाब और हैदराबाद के नाम भी 12 मैच दर्ज रहेंगे।लेकिन इन टीमों की जीत हार पंजाब को छोड़कर प्लेऑफ की रेस में जिंदा रखेगी। यानी सभी 6 टीमों के बीच 3 चेयर की रेस का फैसला आखिरी खींचतान तय करेगी।इस खींचतान की वजह सभी टीमों की जीत में नेट रनरेट के गणितों का शामिल होना रहेगा।आज के बाद कल होने वाली राजस्थान-पंजाब भि?ंत से भी कोई नये गणित नहीं निकलने वाले हैं।लीग चरण के 70 में से 65 मुकाबलों के बाद अगले 5 दिनों में आईपीएल के गणितों के विशेषज्ञ व कॉमेंटेटर केवल जीत हार में नेट रनरेट से ही आईपीएल के दर्शकों को बांधने वाले हैं। मतलब एकदम साफ है कि आईपीएल का रोमांच गणित इस चरण के आखिरी मैच तक जारी रहने वाला है।पिछले कुछ दिनों से देश के मौसम में आये बदलाव का असर टूर्नामेंट पर कितना पड़ता है यह तो वक्त ही बतायेगा ,लेकिन एक बात तय है कि अगर बारिस ने इसमें और दखलंदाजी की तो फिर आईपीएल का सस्पेंस उल्टा पुल्टा होना तय है।

भारतीय महिला धावक ने लांस एंजिलिस में आयोजित ट्रैक फेस्ट में कांस्य पदक जीता

दीक्षा का 1500 मीटर में रिकॉर्ड, ओलंपिक टिकट से चूकीं एथलीट

लांस एंजिलिस

भारत की 25 वर्षीय महिला धाविका केएम दीक्षा ने रविवार को यहां जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए ट्रैक फेस्ट 2024 एथलेटिक्स मीट में तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीता। जैक केम्प स्टेडियम में आयोजित इस प्रतिस्पर्धा में 25 वर्षीय दीक्षा ने 04 मिनट 4.78 सेकेंड के साथ रेस पूरी की और नेशनल रेकॉर्ड बनाया। लेकिन इसके बावजूद दीक्षा इस साल खेले जाने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकीं। इस स्पर्धा में ओलंपिक क्वालीफिकेशन समय 04 मिनट 02.50 सेकेंड था और दीक्षा इसे हासिल करने में विफल रहीं।

मध्य प्रदेश में कर रही ट्रेनिंग

दीक्षा उत्तर प्रदेश के अल्मोडा की रहने वाली हैं। वह पिछले पांच साल से मध्य प्रदेश एथलेटिक्स एकेडमी में ट्रेनिंग कर रही हैं। ट्रैक फेस्ट 2024 विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर ब्रॉन्ज लेवल का इवेंट है। इसमें कुल 10 भारतीय धावकों ने शिरकत की थी। इस सीजन की अपनी पहली रेस में नया नेशनल रेकॉर्ड बनाने वाली दीक्षा ने हरमिलन बैंस को पीछे छोड़ा। हरमिलन ने 2021 नेशनल ओपन चैंपियनशिप में 04 मिनट 05.39 सेकेंड के साथ यह रेकॉर्ड बनाया था। वहीं, इससे पहले दीक्षा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 04 मिनट 06.07 सेकेंड था, जो उन्होंने नेशनल इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था।

अविनाश साल्वे ने जीता रजत: भारतीय पुरुष एथलीट अविनाश साल्वे ने 5000 मीटर रेस में 13 मिनट 20.37 सेकेंड के साथ रजत पदक हासिल किया। उन्होंने यहां 3000मीटर स्टेपलचेस में हिस्सा नहीं लिया। वहीं, एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर सिंह 13 मिनट 31.65 सेकेंड के साथ पांचवें स्थान पर रहे। ग्वाटेमाला के लुइस ग्रिजाल्वा ने 13 मिनट 16.53 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

अंक तालिका में एकमात्र अंक की बढ़त

मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ प्रीमियर लीग की पहली दोहरी जीत

नईदिल्ली, एजेंसी

2006-07 के बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ प्रीमियर लीग की पहली दोहरी जीत। गॉर्डन ब्राउन को बैटन देते टोनी ब्लेयर। प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह का तीसरा वर्ष। चक दे ! भारत, ओम शांति ओम सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। वैन पर्सी, हेनरी, ट्रॉसार्ड, हैवर्ट्ज़ प्रभावशाली। मिकेल अर्टेटा, विलियम सलीबा, एंटनी खेल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ट्रॉसार्ड के दो गोल की मदद से मैन यूनाइटेड को 1-0 से हराकर तालिका में एकमात्र अंक की बढ़त हासिल कीगेटी इमेजेज कर ली है। 2006-07 के बाद से मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ प्रीमियर लीग में यह पहली दोहरी जीत थी । टोनी ब्लेयर 10 डाउनिंग स्ट्रीट पर गॉर्डन ब्राउन को बैटन सौंपने वाले थे। मनमोहन सिंह यहां पीएम के रूप में अपने पहले कार्यकाल के तीसरे साल में थे। चक दे ! इंडिया और ओम शांति ओम उस साल बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनने का इंतजार कर रहे थे। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि उस वर्ष अमीरात में जनवरी के रिटर्न गेम में, रॉबिन वैन पर्सी और थिएरी हेनरी ने पैट्रिस एल्वा द्वारा संचालित 0-1 से हार के बाद मुकाबला जीता।

हालांकि, मेह मैन यू डिफेंस के सामने लियोनार्डो ट्रॉसार्ड ने काई हैवर्टज़ पास पर हमला किया, जिसने गनर्स के लिए एस्पिडिस्ट्रा को उड़ान भरते रखा । एक ऐसे मैच में , जो सट्टेबाजों की अपेक्षा कहीं अधिक बराबरी का था, मिकेल अर्टेटा के लोगों ने कुछ जोशीले खेल और कई चूकों के बावजूद संघर्ष किया और एक निश्चित जीत वाला गेम जीत लिया। पिछले सितंबर में एमिरेट्स में रेड अनहॉर्नड डेविल्स के खिलाफ 1-3 की जीत में आर्सेनल की इतनी अधिक गति या आकर्षण नहीं था जिसके कारण अंतिम स्कोरलाइन बनी। यह कुछ शानदार बचाव था - इस सीज़न में आर्सेनल की सिग्नेचर ट्यून - विशेष रूप से वर्क लाइक ए इजिप्टियन विलियम सलीबा ने, जिसने लिफ़ाफ़ा सील कर दिया।

टेनिस: एलजांद्रो ने नोवाक को दी शिकस्त

रोम, एजेंसी

इटेलियन ओपन में रविवार को उस वक्त बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जब विश्व नंबर-1 खिलाड़ी नोवाक जोकोविक को हार का सामना करना पड़ा। चिली के खिलाड़ी एलजांद्रो टैबिलो ने सर्बियाई खिलाड़ी को अंतिम-32 मैच में 67 मिनट तक चले मुकाबले में 6-2, 6-3 से हराया। यह एलजांद्रो के करियर की अब तक सबसे बड़ी जीत है।

जर्मनी: फिंगर रेसलिंग की धूम

बर्नबेउरेन (जमैका), एजेंसी

जर्मनी में फिंगर रेसलिंग लोकप्रिय खेल हैं और 70 साल से यहां इसकी चैंपियनशिप आयोजित हो रही है। रविवार से इसका नया सीजन शुरू हुआ। इस खेल में एक वजन के दो खिलाड़ी मध्य अंगुली में चमड़े की एक रिंग को फंसाते हैं। जो खिलाड़ी मेज पर बने एक निशान तक विपक्षी खिलाड़ी को खींच लेता है, वो विजेता बनता है। माना जाता है कि इस खेल की शुरुआत 17वीं सदी में दक्षिणी जर्मनी और ऑस्ट्रिया के अल्पाइन क्षेत्र में विवाद को निपटाने के तरीके के तौर पर हुई थी। फिंगर रेसलिंग के दौरान रविवार को प्रतिस्पर्धा को तैयार दो खिलाड़ी और उनकी स्थिति का अवलोकन करता रेफरी।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

एक्टर इमरान खान ने डिप्रेशन के चलते ने छोड़ी थी फिल्म 'थार'

एक्टर इमरान खान आए दिन अपने पास्ट से जुड़े कुछ ना कुछ खुलासे करते रहते हैं। अब एक इंटरव्यू में एक्टर ने बताया कि वो अनिल कपूर स्टारर फिल्म 'थार' में लीड रोल प्ले करने वाले थे। हालांकि, बाद में यह रोल अनिल कपूर के बेटे हर्षवर्धन कपूर ने किया। इमरान ने बताया कि जिस वक्त उन्हें यह फिल्म ऑफर की गई, वो डिप्रेशन से जूझ रहे थे और ऐसे में उन्होंने इस फिल्म को छोड़ दिया। एक इंटरव्यू में इमरान ने कहा, 'मैं उस वक्त कुछ फिल्मों से जु?ा हुआ था पर एक वक्त आया जब मैं कुछ फिल्मों से वापस आ गया। मैं एक फिल्म को लेकर फाइनल स्टेज पर था जो बाद में 'थार' टाइटल के साथ रिलीज हुई। शुरुआती दौर में मैं उस फिल्म से जुड़ा था। तब मैं डिप्रेशन से जूझ रहा था। बाद में यह रोल हर्षवर्धन कपूर ने प्ले किया।'

जल्द कमबैक करने वाले हैं इमरान

वर्कफ्रंट पर इमरान जल्द ही फिल्म 'हैप्पी पटेल' में कैमियो करते नजर आएंगे। इस कॉमेडी फिल्म से वो 9 साल बाद एक्टिंग कमबैक करेंगे। फिल्म को उनके मामा आमिर खान प्रोडयूस करेंगे। वहीं इसे एक्टर वीर दास डायरेक्ट करेंगे। यह उनकी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म होगी। आखिरी बार इमरान 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'कट्टी-बट्टी' में नजर आए थे।

मेट्रो बाजार

अडाणी ग्रीन एनर्जी श्रीलंका में दो विंड पावर स्टेशन बनाएगी

नईदिल्ली, एजेंसी

20 साल के लिए पावर परचेज एग्रीमेंट पर साइन किया, 367 करोड़ निवेश करेगी कंपनी

नई दिल्ली। श्रीलंका की सरकार ने मंगलवार को गौतम अडाणी की रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी के साथ देश में विंड पॉवर स्टेशन डेवलप करने की मंजूरी दी है। श्रीलंका के मन्नार और पूनरीन में अडाणी ग्रीन एनर्जी विंड पॉवर स्टेशन यानी पवन ऊर्जा स्टेशन बनाएगी। दोनों पक्षों ने 20 साल के पावर परचेज एग्रीमेंट पर साइन किया है। श्रीलंका की सरकार ने कहा कि एग्रीमेंट के मुताबिक कंपनी को 8.26 सेंट प्रति किलोवाट-घंटे का भुगतान किया जाएगा। इससे पहले पिछले साल फरवरी में अडाणी ग्रीन एनर्जी को मन्नार शहर और पूनरीन गांव में 484 मेगावाट के विंड पावर प्लांट को डेवलप करने के लिए मंजूरी मिली थी। इसके लिए कंपनी 442 मिलियन डॉलर (करीब 367 करोड़) निवेश करने वाली है। ये दोनों जगहें श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में हैं। साल 2022 में श्रीलंका ने आर्थिक संकट के दौरान गंभीर बिजली संकट और ईंधन की कमी का सामना किया। इंपोर्ट किए जाने वाले ईंधन की लागत से बचने के लिए श्रीलंका अब रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स में तेजी ला रहा है। जनवरी-मार्च तिमाही में अडाणी ग्रीन एनर्जी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट यानी शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 39 फीसदी घटकर 310 करोड़ रहा। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड शुद्ध मुनाफा ?507 करोड़ रहा था। वहीं पिछली तिमाही में यह 256 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार पर कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 21.09 फीसदी है। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे।

मनोज बाजपेयी बोले- ब्लाइंड आर्टिकल्स से परेशान सुशांत

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'भैया जी' को लेकर चर्चा में हैं। एक्टर इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं। एक इंटरव्यू के दौरान दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को याद कर मनोज बाजपेयी इमोशनल हो गए। दोनों ने एक साथ डायरेक्टर अभिषेक चौबे की फिल्म 'सोनचिड़िया' में काम किया था। एक इंटरव्यू के दौरान मनोज बाजपेयी ने सुशांत सिंह राजपूत की परेशानी के बारे में बात की। एक्टर ने कहा- सुशांत ब्लाइंड आर्टिकल्स से काफी परेशान थे और अक्सर इस बारे में मुझसे बात करते रहते थे कि उन्हें क्या करना चाहिए। मैंने हमेशा उनसे कहा कि वह इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचें। मनोज ने कहा- सुशांत की मौत से करीब दस दिन पहले मेरी उनसे बात हुई थी। मैंने बताया था कि ऐसे आर्टिकल लिखने वालों से निपटने का एक अलग तरीका है। वह कहते थे कि सर, यह काम सिर्फ आप ही कर सकते हैं। वह मुझसे हमेशा कहते थे कि आपके हाथ का बना मटन खाना चाहता हूं। मैं कहता था कि जब बनाऊंगा तो जरूर खिलाऊंगा, लेकिन किसे पता था कि अचानक हम सबको छोड़कर चले जाएंगे। उनका समय आना अभी बाकी था। बाजपेयी की फिल्म 'भैया जी' 24 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में मनोज पहली बार इंटेंस एक्शन अवतार में नजर आएंगे।

मुंबई में शुरू हो रही एक नई लव स्टोरी, नव्या को छोड़ मृणाल संग वक्त बिताते दिखे सिद्धांत

सिनेमा की दुनिया में 'चट डेटिंग और पट ब्रेकअप' जैसे किस्से आए दिन देखे जाते हैं। फिर, किसी नई प्रेम कहानी का जन्म होता है। खबरें वायरल होती हैं। इन दिनों इंडस्ट्री में ऐसे ही दो सितारों की प्रेम कहानी की खबरें सामने आ रही हैं। ये स्टार्स हैं- मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी। यह लव स्टोरी ऐसे समय शुरू हुई है, जब दोनों सितारों के साथ में फिल्म करने की चर्चा है। खैर, हाल ही में सिद्धांत और मृणाल को डिनर डेट पर साथ देखा गया। इस दौरान, दोनों एक-दूसरे से गले मिलते और हाथ थामे नजर आए। सिद्धांत का नाम इससे पहले अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा से जुड़ चुका है। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गाय। अब दोनों के बीच दूरियों की खबर आ रही हैं। वहीं, दावा किया जा रहा है कि सिद्धांत की नजदीकियां मृणाल के साथ बढ़ गई हैं। बीती रात दोनों को साथ देखा गया। इसके बाद दोनों के रिलेशनशिप के कयास लगने शुरू हो गए हैं। सामने आई तस्वीरों और वीडियो में दोनों को एक-दूजे को गले लगाए देखा जा सकता है। सिद्धांत चतुर्वेदी काफी लंबे वक्त से अपनी फिल्म 'युद्रा' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म अभी तक न तो रिलीज हुई है, न इसकी रिलीज तारीख का पता है। रवि उद्यवार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में मालविका मोहनन भी लीड रोल में हैं। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले यह फिल्म प्रोड्यूस हो रही है। फिल्म का एलान 2021 में किया गया था और इसे वर्ष 2022 में रिलीज करने की तैयारी थी। हालांकि, ऐसा नहीं हो सका। मृणाल ठाकुर की बीती रिलीज फिल्म 'फैमिली स्टार' कमाल नहीं दिखा सकी।

सरकारी बैंकों को 2023-24 में रिकॉर्ड 1.42 लाख करोड़ मुनाफा, एनपीए 1.70 फीसदी से नीचे

मुंबई, एजेंसी। सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2023-24 में अब तक का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है। इस अवधि में कुल 12 बैंकों का फायदा बढ़कर 1,42,129 करोड़ रुपये पहुंच गया। इन बैंकों ने 2022-23 में रिकॉर्ड 1.05 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। 2021-22 में यह आंकड़ा 66,540 करोड़ रुपये था। इस दौरान सिर्फ तीन बैंकों यूको, इंडियन ओवरसीज और पंजाब एंड सिंध बैंक के मुनाफे में गिरावट रही। बैंकों का मुनाफा सरकार की 'चार आर' की रणनीति की वजह से बढ़ा है। इसमें एनपीए को पारदर्शी रूप से पहचानना, समाधान व वसूली, पुनर्पूंजीकरण और वित्तीय तंत्र में सुधार करना शामिल है। इस रणनीति के तहत सरकार ने 2016-17 से 2020-21 के बीच कुल 3.11 लाख करोड़ रुपये की पूंजी बैंकों में डाली है। इससे बैंकों को मदद मिली है। दूसरी वजह है...लगातार वसूली और बुरे फंसे कर्ज यानी एनपीए में कमी करना है। इसका असर यह हुआ कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सभी बैंकों का शुद्ध एनपीए घटकर 1.70 फीसदी के स्तर से नीचे आ गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र का एनपीए सबसे 0.20 फीसदी रहा, जबकि पंजाब एंड सिंध बैंक का एनपीए सर्वाधिक 1.63 फीसदी रहा। कुल लाभ में करीब आधा हिस्सा एसबीआई का रहा। बैंक ने 2023-24 में 61,077 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है, जो 2022-23 की तुलना में 21 फीसदी अधिक है। बैंक ऑफ बड़ौदा 18,676 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर रहा। तीसरे स्थान पर केनरा बैंक का लाभ 37 फीसदी बढ़कर 14,554 करोड़ पहुंच गया। पंजाब नेशनल बैंक ने 8,245 करोड़ का मुनाफा कमाया, जबकि इंडियन बैंक का लाभ 52 फीसदी बढ़कर 8,062 करोड़ पहुंच गया।

देर रात बदमाशों ने घर के बाहर सड़कों पर खड़े वाहनों में की तोड़फोड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में घर के बाहर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ की घटनाएं हमने का नाम नहीं ले रही है। बीती रात बदमाशों ने टीटी नगर नगर थाना क्षेत्र स्थित बाणगंगा इलाके में घर के बाहर खड़ी चार कारों में तोड़फोड़ कर दी। हाथ में रोड और डंडे लिए बदमाश श्यामला हिल्स इलाके से ही तोड़फोड़ करते हुए आए थे। श्यामला हिल्स पुलिस ने बताया कि उनके इलाके में केवल मोटरसाइकिल के इंडिकेटर तोड़े गए हैं और सीट ब्लेड अथवा धारदार हथियार से फड़ी गई है। इसी प्रकार टीटी नगर पुलिस ने बताया कि बीती रात करीब 1:30 बजे के आसपास जब लोग सो रहे थे तभी बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी कारों में तोड़फोड़ कर दी। पुलिस ने कुछ जगह सीसीटीवी देखे हैं। सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मृतक के मुंह से निकल रहा था झाग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। मुंह से झाग निकलने के कारण अनुमान है कि उसने कोई जहरीला पदार्थ खाया था। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पुलिस के अनुसार देवेंद्र रैकवार पिता राम सिंह रैकवार (44) मकान नंबर14, गली नंबर 4, छोला मंदिर में रहता था और प्राइवेट काम करता था। गत 3 मई की सुबह उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। बेसुध होने के बाद परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान आज बीती रात करीब पौने 1 बजे के आसपास डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देवेंद्र का शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। पुलिस को प्राथमिक पूछताछ में पता चला कि देवेंद्र के मुंह से झाग निकला था। अनुमान लगाया जा रहा है कि उसने जहर खाया था। पीएम के बाद परिजन के बयान दर्ज किए जाएगे।

लोडिंग पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित सिद्धार्थ लेक सिटी के पास लोडिंग पिकअप वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजन निजी अस्पताल से एम्स लेकर पहुंचे थे, वहां उसके स्वास्थ्य में सुधार भी हो गया था, लेकिन कल सोमवार शाम अचानक तबियत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार तरुण सिंह पिता नरेंद्र सिंह (20) कान्हासईया, थाना बिलखिरिया मैं रहता था और मेहनत मजदूरी करता था। गत 22 अप्रैल की रात वह कम से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान सिद्धार्थ लेक सिटी के पास उसकी बाइक को अज्ञात पिकअप वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में उसे गंभीर चोट आई थी लेकिन इलाज के बाद तबीयत भी सुधर गई थी। सोमवार शाम अचानक तबियत बिगड़ी और एम्स में उसकी मौत हो गई।

इंडस टाउन में व्यक्ति ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित इंडस टाउन में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात ल्यूपिन कंपनी के कर्मचारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन से पूछताछ में भी आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। परिजन ने बताया कि उन्हें हार्ट संबंधी समस्या थी और कुछ दिन पहले ही उनकी बाइपास सर्जरी हुई थी।

पुलिस के अनुसार इंडस टाउन मिसरोद निवासी राजेश पटेल (52) ल्यूपिन कंपनी में नौकरी करते थे। परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। बड़ी बेटा शहर से बाहर पढ़ाई करता है जबकि करीब 16 साल का छोटा बेटा यहां माता-पिता के साथ रहता है। एएसआई भागीरथ राय ने बताया कि रविवार रात की रात सभी लोग खाना खाने के बाद अपने कमरों में सोने चले गए थे। राजेश पटेल बेडरूम में सो रहे थे जबकि बेटे के साथ पत्नी दूसरे कमरे में सो रही थीं। सुबह पत्नी ने राजेश पटेल को नायलोन की रस्सी के फंदे पर लटका देखा। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंच गए थे। रस्सी काटकर उन्हें नीचे उतारा गया। कुछ देर बाद एंबुलेंस बुलाकर राजेश पटले को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस जब मौके पर पहुंची तब तक परिजन उन्हें अस्पताल ले जा चुके थे।

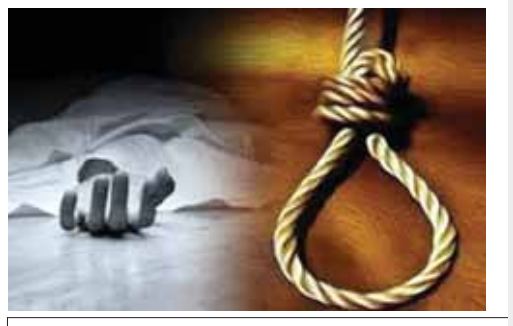

युवक ने फांसी लगा कर दी जान

हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित दुलीचंद का बाग इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक के कमरे से सुसाइड नोट अथवा ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला है जिससे उसके परिजन तक घटना की जानकारी पहुंचाई जा सके। पुलिस ने मृतक का हुलिया आसपास के जिलों में भी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार दुलीचंद का भाग रूबी के मकान से कल सुबह एक व्यक्ति का शव फांसी के फंदे से बरामद किया गया था। मृतक की उम्र करीब 35 साल के आसपास बताई जा रही है। पूछताछ में पता चला कि उसका नाम सोनू है। सोनू बेलदारी करता था। उसके परिजनों के बारे में कोई जानकारी नहीं लगी है। पुलिस का कहना है की मृतक के सीने पर दिल गुदा हुआ है, जिसमें पीए लिखा हुआ है। मृतक के दाहिने हाथ पर सिंघम लिखा हुआ है। कुछ लोगों का कहना है कि सोनू विदिशा सिरोंज का रहने वाला है हालांकि अभी तक उसके परिजन का कोई सुराग नहीं लगा है।

ल्यूपिन कंपनी में करते थे नौकरी, कुछ दिन पहले ही हुई थी बाइपास सर्जरी

सत्तर साल के बुजुर्ग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

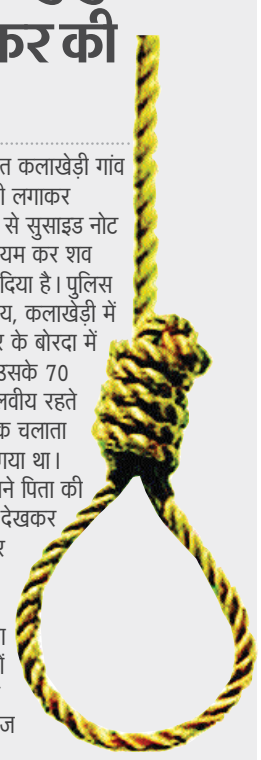

परवलिया सड़क थाना क्षेत्र स्थित कलाखेड़ी गांव में सत्तर साल के बुजुर्ग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार उमराव सिंह मालवीय, कलाखेड़ी में रहता है। उसका परिवार कोलार के बोरदा में रहता है। यहां उमराव के साथ उसके 70 साल के पिता गजराज सिंह मालवीय रहते थे। उमराव ने बताया कि वह ट्रक चलाता है और रविवार को ट्रक लेकर गया था। सोमवार सुबह घर पहुंचा तो उसने पिता की लाश फांसी के फंदे पर लटकी देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद गजराज का शव पीएम के बाद सौंप दिया है। उमराव ने आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि रात करीब 12 बजे पिता गजराज को घर के बाहर देखा गया था।

पति ने बनाई पत्नी की फेक आईडी रिक्वेस्ट भेजकर कर रहा था चेटिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गोविंदपुरा पुलिस ने पत्नी की शिकायत पर पति के खिलाफ आईटी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पत्नी का आरोप है कि पति ने उसके नाम से सोशल प्लेटफार्म फेसबुक पर आईडी बना ली थी। आईडी में आरोपी पत्नी की फोटो लगाकर लोगों को रिक्वेस्ट पहुंचाकर अश्लील चेटिंग कर रहा था। पुलिस के अनुसार 25 साल की महिला की शादी इलाके में रहने वाले सतीश कुमार से वर्ष 2021 में शादी हुई थी। सतीश कुमार प्राइवेट कंपनी में काम करता है। शादी के बाद से ही दंपती में विवाद होने लगा और वर्ष 2022 में दोनों अलग-अलग रहने लगे। महिला ने सतीश के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का प्रकरण दर्ज कराया था और प्रकरण कोर्ट में विचाराधीन है। गत दिनों महिला को पता चला कि उसके नाम से फेसबुक पर पति ने फर्जी आईडी बना ली है और लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर चेटिंग कर रहा है। उसने पुलिस को शिकायत की थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

आरजीपीवी यूआईटी रैगिंग का मामला

कई विद्यार्थियों के हुए बयान, कुछ के आज होंगे दर्ज, फिर एंटी रैगिंग कमेटी करेंगी कार्यवाही

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के यूआईटी का रैगिंग का मामला आपसी विवाद और गुटबाजी में बदलता नजर आ रहा है। इस मामले सोमवार को सीनियर स्टूडेंट्स के बयान दर्ज किए गए। वहीं मंगलवार को भी कुछ छात्रों से पूछताछ की जाएगी, इसके बाद छात्रों के बयान के आधार पर विवि की एंटी रैगिंग कमेटी छात्रों पर कार्रवाई करने का निर्णय लेगी। मामले के संबंध में सोमवार को बीटेक सेकंड ईयर एवं थर्ड ईयर के छात्रों से पूछताछ की गई। इसमें सात छात्रों से पूछताछ में यह बात नजर आई की यह मामला रैगिंग का न होकर बल्कि पुरानी रंजिश, आपसी विवाद और गुटबाजी का नतीजा है। बताया जा रहा है कि गुटबाजी के चलते आरजीपीवी में पहले भी ऐसी घटनाएं हुई हैं। जिसे बाद में स्टूडेंट्स द्वारा रैगिंग का रूप देकर हेल्पलाइन में शिकायत की गई है। अब छात्रों के बयानों के आधार पर कमेटी निर्णय लेगी। प्रशासन इस शिकायत को छात्रों के बीच हुए आपसी विवाद से जोड़कर देख रहा है।

4 मई को देर रात हुई थी मारपीट: जानकारी के अनुसार यूआईटी 4 मई को देर रात जूनियर-सीनियर छात्रों के बीच मारपीट हुई थी। यूआईटी के एक जूनियर स्टूडेंट ने घटना के तीन दिन बाद यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर 7 मई को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद विवि प्रशासन ने 9 मई को 7 छात्रों को रैगिंग के मामले में नोटिस जारी किया गया था। साथ ही अपना पक्ष रखने का भी मौका छात्रों को दिया गया था।

मेट्रो एंकर मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन

'हमें गैर वाणिज्यिक किंतु सामाजिक सरोकार से जुड़े विषयों पर अनुसंधान की जरूरत'

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रौद्योगिकी का उद्देश्य यह होना चाहिए कि, यह हमारी किसी आवश्यकता को पूर्ण करें अथवा हमारे किसी समस्या को हल करें, लेकिन कई बार ये देखा जाता है कि, यह प्रौद्योगिकी हमारी आवश्यकताओं को पूर्ण करने के स्थान पर नई आवश्यकताओं को भी पैदा कर देती है। हमें गैर वाणिज्यिक विषयों पर शोध की आवश्यकता है। हमें गैर वाणिज्यिक किंतु सामाजिक सरोकार से जुड़े विषयों पर अनुसंधान करना चाहिए। यह बात ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के सचिव रघुराज माधव राजेंद्रन ने कही।

मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के संस्थानिक नवाचार परिषद के द्वारा किया गया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में रघुराज माधव राजेंद्रन सचिव, ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, मध्य प्रदेश शासन एवम मुख्य वक्ता आशुतोष कुमार सिंह, डायरेक्टर, प्प्ज् भोपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ संजय तिवारी द्वारा की गई, साथ ही कार्यक्रम के आयोजक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ सुशील मंडेरिया उपस्थित थे।

ज्ञान स्थाई होता है, किंतु तकनीक अस्थाई: मुख्य वक्ता भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के निदेशक डॉक्टर आशुतोष कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में क्लाउड कंप्यूटिंग और मशीन लर्निंग पर अपने विचार रखते हुए कहा कि, ज्ञान स्थाई होता है, किंतु तकनीक अस्थाई होती है। डॉ. सिंह ने सर्वर मैनेजमेंट, रिसोर्स यूटिलाइजेशन की विभिन्न विधियां और वर्कलोड अनुमान पर प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने अपने स्वयं के समूह द्वारा बनाया हुआ क्वांटम मशीन लर्निंग मॉडल को भी समझाया। उन्होंने बिट को क्यूबिट में परिवर्तन करने हेतु एल्गोरिथम के निर्माण के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022